नई दिल्ली ■ बुधवार, 09 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 09 ■ पृष्ठ 12

JBT
www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

03 किसी को उजाड़ कर बसे तो क्या बसे | 07 विल पुकोव्स्की ने 27 की उम्र में क्रिकेट को कहा अलविदा | मलाइका के खिलाफ फिर जमानती वारंट जारी 06

TUITION TIGER

learn smart

PREMIUM LIVE BATCHES

(only 30 Students per Batch)

Class	Batch
CLASS 6	NEEV
CLASS 7	PRAKHAR
CLASS 8	VIRAJ

Fee Rs. 24,000/- Per Course

Class	Batch
CLASS 9	PARAKRAM
CLASS 10	PRAKET

Fee Rs. 30,000/- Per Course

Class	Batch
CLASS 11	TEJAS (PCM)
CLASS 11	PRAVAAH (PCB)
CLASS 12	ADITYA (PCM)
CLASS 12	AYUR (PCB)

Fee Rs. 36,000/- Per Course

LIVE CLASSES

Class	Batch
CLASS 6	EXCEL
CLASS 7	PULSE
CLASS 8	AVENGER

Fee Rs. 2,400/- Per Course

Class	Batch
CLASS 9	HECTOR
CLASS 10	HERCULES

Fee Rs. 3,000/- Per Course

Class	Batch
CLASS 11	HERMES (PCM)
CLASS 11	ZENITH (PCB)
CLASS 12	APOLLO (PCM)
CLASS 12	CATALYST (PCB)

Fee Rs. 3,600/- Per Course

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309 9220 90 5919

नई दिल्ली ■ बुधवार 09 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 09 ■ पृष्ठ 12

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

03 किसी को उजाड़ कर बसे तो क्या बसे | 07 विल पुकोव्स्की ने 27 की उम्र में क्रिकेट को कहा अलविदा | मलाइका के खिलाफ फिर जमानती वारंट जारी 06

भारतीय देश नहीं, दिलों को जीतना चाहते हैं : राष्ट्रपति मुर्मू

लिस्बन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यहां मंगलवार को भारतीय शोधार्थियों से एक संवाद सत्र के दौरान कहा कि भारतीय देश नहीं, बल्कि दिलों को जीतना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने 'सम्पालिमो सेंटर फॉर अननोन' में भारतीय शोधार्थियों से कहा कि वे भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि बनें, क्योंकि अपने देश के नाम से उनकी पहचान होती है। मुर्मू ने एक शोधार्थी के सवाल के जवाब में कहा कि आप शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे। आप अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे। आप एक अच्छे विद्वान बनेंगे, आप अर्थव्यवस्था और समाज में योगदान देंगे तथा यहां के नियमों और विनियमों का पालन करेंगे। आगे बढ़ें और भारत को गौरवान्वित करें। शोधार्थियों द्वारा पूछे गए हर सवाल का जवाब देने के लिए राष्ट्रपति अपने स्थान पर खड़ी हुईं। उन्होंने कहा कि मैं एक ऐसे देश में गई थी, जहां एक वरिष्ठ नेता ने मुझसे पूछा कि क्या भारतीय दुनिया को जीतना चाहते हैं। मैंने कहा कि भारतीय देश को नहीं जीतना चाहते, वे दिलों को जीतना चाहते हैं। भारत में महिलाओं की प्रगति के बारे में पूछे जाने पर, मुर्मू ने कहा कि सीताराम, लक्ष्मी नारायण कहना तथा लोगों को देवियों और सज्जनों कहकर संबोधित करना भारतीय संस्कृति में है। मुर्मू ने कहा कि उन्हें महिला पदक विजेताओं, वरिष्ठ महिला अधिकारियों और विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी महिलाओं को देखकर गर्व महसूस होता है। उन्होंने कहा कि पुर्तगाल, भारत का एक अच्छा मित्र है तथा इस देश के लोग मिलनसार और उदार हैं एवं यह देश प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है। पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा और चैंपलीमॉड फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. लियोनोर बेलेजा ने सम्पालिमो सेंटर में राष्ट्रपति की अगवानी की। इस केंद्र के दौरे पर, मुर्मू और सूसा को फार्मेसी से कैंसर रोगियों तक दवाइयां पहुंचाने वाले रोबोट के काम करने के तरीके के बारे में जानकारी दी गई। मुर्मू ने परिसर में 'कैमेलिया जैपोनिका' का पौधा भी लगाया। भारतीय वास्तुकार चार्ल्स मार्क कोरिया द्वारा डिजाइन किया गया सम्पालिमो सेंटर फॉर द अननोन, समकालीन वास्तुशिल्प भव्यता का एक शानदार प्रतीक है। इससे पहले दिन में, राष्ट्रपति ने पुर्तगाल की संसद का दौरा किया, जहां उन्होंने 'असेम्बलिया द रिपब्लिका' के अध्यक्ष डॉ. जोस पेड्रो एगुइर-ब्रैंको से मुलाकात की।

दादी रतन मोहिनी ने अपनी शिक्षाओं, कार्यों से अनगिनत लोगों का जीवन संवारा : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारी की प्रशासनिक प्रमुख दादी रतन मोहिनी के निधन पर मंगलवार को शोक व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने अपनी शिक्षाओं और कार्यों से अनगिनत लोगों की सोच और जीवन को संवारा। पुर्तगाल और स्लोवाक गणराज्य के दौरे पर गईं राष्ट्रपति ने कहा कि वह ब्रह्माकुमारी संस्था का एक प्रकाश-स्तंभ थीं। मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस संस्था ने मेरी जीवन यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। माउंट आबू स्थित संस्था ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि मोहिनी का मंगलवार को निधन हो गया। वह 101 वर्ष की थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि दादी रतन मोहिनी जी के निधन की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। वे ब्रह्माकुमारी संस्था का एक प्रकाश स्तंभ थीं। इस संस्था ने मेरी जीवन यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुर्मू ने कहा कि मैं पूरे विश्व में विद्यमान ब्रह्माकुमारी परिवार के सभी सदस्यों एवं इस संस्था के शुभचिंतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करती हूं।

यूएई के रक्षा मंत्री ने की पीएम मोदी से मुलाकात, संबंधों को मजबूत करने पर हुई चर्चा

दुबई के शहजादे की भारत यात्रा से मजबूत द्विपक्षीय सहयोग का मार्ग प्रशस्त होगा: मोदी

नई दिल्ली। भारत यात्रा पर आए यूएई के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद अल मकतूम ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने रक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, संपर्क और जन संबंधों सहित दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने में दुबई की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पोस्ट में कहा कि दुबई ने भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह विशेष यात्रा हमारी मजबूत दोस्ती की पुष्टि करती है और भविष्य में अधिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त करती है।

मोहम्मद अल मकतूम ने मुलाकात पर खुशी जाहिर करते हुए एक्स पोस्ट में कहा कि हमारी बातचीत ने यह एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि यूएई-भारत संबंध आपसी विश्वास पर आधारित हैं, इतिहास से प्रेरित हैं, और एक साझा दृष्टिकोण से संचालित हैं, जिसका उद्देश्य अवसरों, नवाचार, और स्थायी समृद्धि से परिपूर्ण भविष्य का निर्माण करना है। यूएई के रक्षा मंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद अल मकतूम भारत यात्रा पर हैं। उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ वार्ता की। रक्षा मंत्रालय के अनुसार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और क्राउन प्रिंस के बीच उत्पादक बैठक रही। भारत के लिए, यूएई के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी अपार प्राथमिकता है।

आने वाले वर्षों में हम रक्षा सहयोग, सह-उत्पादन और सह-विकास परियोजनाओं, नवाचार और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में बारीकी से काम करने के लिए उत्सुक हैं। भारत और यूएई दोनों इस क्षेत्र में शांति और समृद्धि की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इससे पहले उन्होंने विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से मुलाकात की। दुबई के क्राउन प्रिंस के रूप में अपनी पहली भारत आधिकारिक यात्रा पर आए मकतूम के साथ कई मंत्री, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और एक उच्च स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी शामिल है। दो दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को नई दिल्ली में एयरपोर्ट पर केन्द्रीय पर्यटन राज्यमंत्री सुरेश गोपी ने उनका स्वागत किया।

क्राउन प्रिंस आगे मुंबई का भी दौरा करेंगे। यात्रा के दौरान दोनों पक्षों के प्रमुख व्यापारिक नेताओं के साथ एक व्यापार गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगे। यह बातचीत पारंपरिक और भविष्य के क्षेत्रों में भारत-यूएई आर्थिक और वाणिज्यिक सहयोग को मजबूत करेगी।

विदेश मंत्रालय के अनुसार परंपरागत रूप से, दुबई ने भारत के यूएई के साथ वाणिज्यिक, सांस्कृतिक और लोगों के बीच आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत के लगभग 4.3 मिलियन प्रवासी दुबई में रहते हैं और काम करते हैं। क्राउन प्रिंस की यात्रा भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी और दुबई के साथ हमारे बहुआयामी संबंधों को मजबूत करेगी।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम हुआ लागू

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह संसद द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम मंगलवार से लागू हो गया। सरकार ने एक अधिसूचना में यह जानकारी दी। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की धारा 1 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार ने आठ अप्रैल, 2025 से उक्त अधिनियम के प्रावधान लागू किए हैं।

लोकसभा और राज्यसभा ने क्रमशः तीन अप्रैल और चार अप्रैल की मध्य रात्रि के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच अप्रैल को प्रस्तावित कानून को अपनी मंजूरी दे दी थी। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने विधेयक का समर्थन किया, वहीं विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन ने इसका विरोध किया। कई मुस्लिम संगठनों और विपक्षी सांसदों ने कानून के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। सत्तारूढ़ गठबंधन ने इसे पारदर्शिता बढ़ाने और पिछड़े मुसलमानों एवं समुदाय की महिलाओं के लिए सशक्तीकरण का कदम बताया है। वहीं, विपक्ष ने इसे असंवैधानिक करार देते हुए कहा है कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम मुसलमानों के अधिकारों का हनन करता है।

'वक्फ विधेयक दिलायेगा मुस्लिम महिलाओं को विरासत में उनका उचित हिस्सा'

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार का कहना है कि वक्फ पीढ़ियों से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार के लिए धन उपलब्ध कराने में सहायक रहा है लेकिन अधिकांश महिलाओं को इसका लाभ नहीं मिला क्योंकि संसाधन और निर्णय लेने में उनकी पहुंच अत्यंत सीमित थी। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 का उद्देश्य इसमें बदलाव लाना है। यह मुस्लिम महिलाओं को विरासत में उनका उचित हिस्सा, वित्तीय सहायता और वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में निर्णायक भूमिका सुनिश्चित करेगा।

संक्षिप्त खबरें

आईएसआई ने रची थी भाजपा नेता के घर पर ग्रेनेड हमले की साजिश

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने दावा किया है कि बीती रात जालंधर में भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री मनोरंजन कालिया के घर पर ग्रेनेड हमले की साजिश पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेस इंटेलीजेंस (आईएसआई) द्वारा रची गई थी। आईएसआई ने आतंकी संगठन बब्बर खालसा की मदद से इस घटना को अंजाम दिलाया। सोमवार की रात पंजाब के जालंधर में भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री मनोरंजन कालिया के आवास पर ग्रेनेड हमले की घटना के बाद पंजाब सरकार तथा पंजाब पुलिस विपक्ष के निशाने पर आ गई थी। चौतरफा घिरी पंजाब पुलिस ने रात तीन बजे से ही घटना की जांच शुरू कर दी।

वर्धा जिले में कार-टैंकर की टक्कर में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

मुंबई। वर्धा जिले में समुद्रपुर-वर्धा रोड पर तारोडा के पास बीती रात कार-टैंकर की टक्कर में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। दो लोगों की मौत मौके पर ही हुई, जबकि दो लोगों ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ा। सोमवार को देर रात प्रशांत अपनी पत्नी बेटे और बेटी के साथ तारोडा से वर्धा जा रहे थे। अचानक रात करीब एक बजे तारोडा में ही अचानक उनकी कार के सामने एक सूअर आ गया, जिससे उनकी कार का नियंत्रण बिगड़ गया और कार एक टैंकर से टकरा गई। इस दुर्घटना में प्रियंका प्रशांत वैद्य (37) और प्रियांश प्रशांत वैद्य (8) की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल माही प्रशांत वैद्य (3) को इलाज के लिए सेवाग्राम अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन मंगलवार को सुबह इलाज के दौरान माही की मौत हो गई।

ब्रह्माकुमारीज की प्रमुख प्रशासक दादी रतनमोहिनी का निधन

जयपुर। राजस्थान के सिरोही जिले के आबूरोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रमुख तथा ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासक राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी का निधन हो गया है। वह 101 वर्ष की थीं। संस्थान के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। संस्थान के प्रवक्ता ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज की प्रमुख 101 वर्षीय राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी नहीं रहीं। उन्होंने अहमदाबाद के एक अस्पताल में सोमवार देर रात अंतिम सांस ली। प्रवक्ता ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार 10 अप्रैल को सुबह किया जाएगा। चार वर्ष पूर्व दादी हृदय मोहिनी के देहावसान के बाद दादी रतनमोहिनी इस संस्था मुख्य प्रशासिका बनीं थीं।

संभल हिंसा: सांसद जियाउर्रहमान बर्क से एसआईटी ने 3 घंटे की पूछताछ

संभल। जिले में हुई हिंसा मामले में विशेष जांच टीम (एसआईटी) के समक्ष अपना बयान दर्ज कराने के लिए मंगलवार को समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क नखासा थाने पहुंचे। सांसद से एसआईटी ने तीन घंटे तक पूछताछ की।

एसआईटी के पूछताछ प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि 24 नवम्बर 2024 को जो घटना हुई थी, उसमें जो अभियोग दर्ज हैं, उसकी जांच एसआईटी कर रही है। इस मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए सांसद को समन भेजा गया था। मंगलवार को कई अधिवक्ताओं के साथ सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने एसआईटी के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया। इस दौरान उनसे कई सवाल पूछे गये। तीन घंटे की लम्बी पूछताछ के बाद सांसद घर के लिए रवाना हो गये। पत्रकारों से सपा सांसद ने बताया कि जांच प्रक्रिया में सहयोग करने के लिए मुझे बीएनएसएस की धारा 35 का नोटिस भेजा गया था। उसी के तहत मैं यहां पर जांच में सहयोग करने के लिए पहुंचा हूं। उनके बयान दर्ज किए गए हैं। यह कानूनी प्रक्रिया है। मैं जांच टीम का पूरा सहयोग करूंगा।

ईवी नीति 2.0 के मसौदे में दिल्ली में सीएनजी आधारित ऑटोरिक्शा को हटाने की सिफारिश

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति 2.0 के मसौदा में सीएनजी से चलने वाले ऑटोरिक्शा को चरणबद्ध तरीके से हटाने की सिफारिश की गई है। इस नीति को दिल्ली सरकार जल्द ही घोषित कर सकती है। ईवी नीति 2.0 के मसौदे के अनुसार, इस साल 15 अगस्त से किसी भी सीएनजी ऑटोरिक्शा के पंजीकरण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

इस साल 15 अगस्त से सीएनजी ऑटो परमिट का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा और ऐसे सभी परमिटों को केवल ई-ऑटो परमिट के लिए पुनः जारी किया जाएगा। नीति के मसौदे में ठोस अपशिष्ट ले जाने वाले जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने की भी सिफारिश की गई है, जो नगर निकायों और शहर की बसों द्वारा बड़ी संख्या में उपयोग किए जाते हैं। नीति की अवधि के दौरान 10 साल से पुराने सभी सीएनजी ऑटोरिक्शा या तो पूरी तरह से बदले जाएंगे, या फिर उनमें ऐसी नई तकनीक लगाई जाएगी जिससे वे बैटरी से चल सकें। मसौदा नीति में एक सिफारिश में यह भी कहा गया है कि 15 अगस्त 2026 से पेट्रोल, डीजल, सीएनजी से चलने वाले दोपहिया वाहनों को अनुमति नहीं दी जाएगी। इसी प्रकार, समिति ने सिफारिश की है कि 15 अगस्त 2025 से माल वाहक वाहनों के मामले में डीजल, पेट्रोल, सीएनजी से चलने वाले तिपहिया वाहनों के पंजीकरण की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसमें डीआरसी और डीआईएमटीएस द्वारा संचालित सार्वजनिक परिवहन बसों को ई-बसों में परिवर्तित करने की भी सिफारिश की गई है।

नीति की शुरुआत के साथ डीटीसी और डीआईएमटीएस शहर संचालन के लिए केवल इलेक्ट्रिक बसें और अंतर-राज्यीय सेवा के लिए बीएस चार बसें खरीदेंगे। साथ ही, निजी कार मालिकों को इलेक्ट्रिक कार तभी खरीदनी होगी, जब उनके पास पहले से दो गाड़ियां हों। यह सिफारिश ईवी नीति 2.0 के अधिसूचना के बाद प्रभावी होगी।

जयपुर हिट एंड रन केस : अब तक 3 की मौत

आरोपी उस्मान है कांग्रेस का जिला उपाध्यक्ष पद से हटाया गया, गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर हिट एंड रन केस में अब तक तीन की मौत हो गई है। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने बवाल कर दिया। भारी संख्या में आक्रोशित लोगों की ओर से मंगलवार को नाहरगढ़ पुलिस थाने का घेराव किया गया।

लोगों द्वारा गणगौरी बाजार व आस पास के बाजारों को बंद करा दिया गया। छोटी चौपड़ पर गुस्साए लोगों की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया। जगह जगह टायर जल दिए गए। पुलिस व प्रशासन के आलाधिकारी अलर्ट मोड पर है। जयपुर पुलिस ने कार ड्राइवर उस्मान खान के खिलाफ गैर इरादान हत्या का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने भी उस्मान खान को जिला उपाध्यक्ष पद से हटाकर पार्टी से निलंबित कर दिया है। सोमवार रात हुए इस हादसे में नाहरगढ़ रोड निवासी ममता कंवर (50), लालदास का खाड़ा निवासी अवधेश पारीक (37) की मौत हो गई थी।

मंगलवार सुबह शास्त्री नगर निवासी वीरेंद्र सिंह (48) की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद मंगलवार सुबह लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। मृतकों के परिजन और स्थानीय लोग नाहरगढ़ थाने के सामने धरने पर बैठे गए और पचास लाख रुपये के मुआवजे और प्रत्येक पीड़ित परिवार में से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने की मांग करने लगे। हवा महल सीट से भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य भी उनके साथ धरने पर बैठ गए। उनका कहना है कि भाजपा और सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। भाजपा और युवा मोर्चा के कई कार्यकर्ता भी प्रदर्शन में शामिल रहे।

NGT के नियमों की अनदेखी करने वाले 7 बिल्डर्स के खिलाफ एफआईआर

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने एनजीटी के नियमों की अनदेखी करने वाले सात बड़े बिल्डरों के खिलाफ़ कार्रवाई की है।प्राधिकरण के जल एवं सीवर विभाग ने सात बिल्डर सोसाइटी के खिलाफ थानों में एफआईआर कराई गई है। महाप्रबंधक (जल एवं सीवर) आरपी सिंह ने बताया कि प्रबंधक जल खण्ड-1 पवन बरनवाल ने सेक्टर-113 थाने में मैसर्स सिक्का कार्मिक सेक्टर-78 के खिलाफ तथा इसी थाने में मेसर्स आरजी रेजीडेंसी सेक्टर-120 के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इसी तरह जल खण्ड-2 के प्रबंधक अनस खान ने सेक्टर-49 थाने में मेसर्स ग्रेनाइट गेट प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड सेक्टर-100 (लोटस बुलवर्ड सोसाइटी) के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

सीएम योगी को धमकी भरा पत्र भेजने वाला गिरफ्तार

दूसरों को फसाने के लिए भेज था पत्र

शाहजहांपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। गांव के ही दो युवकों को फंसाने के लिए युवक ने उनके नाम से धमकी भरा पत्र पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित जन शिकायत प्रकोष्ठ में भेजा था।

सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह ने बताया कि इस मामले की उपनिरीक्षक दिनेश कुमार की ओर से सदर बाजार कोतवाली पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और लोकल इंटेलिजेंस की मदद से गुनारा गांव निवासी अजीम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अजीम ने पुलिस को बताया की वर्तमान समय में वो थाना रामचन्द्र मिशन क्षेत्र के गांव मिश्रीपुर में रह रहा है। वर्ष 2021 में हुए प्रधानी चुनाव में उसने अपनी भाभी जैनब अंजूम को चुनाव में खड़ा किया था। प्रधानी चुनाव में नफीस और आबिद ने दूसरे प्रत्याशियों का समर्थन किया था। एक मामले में नफीस और आबिद ने उसके विरुद्ध पुलिस में गवाही भी दी थी। तभी से वो नफीस और आबिद से रंजिश रखने लगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग में विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने निर्वाचन क्षेत्र शालीमार बाग का स्थल निरीक्षण किया, जिसमें कई प्रमुख विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिसमें नई सड़कें, सीवर लाइनें और पानी की पाइपलाइनें शामिल हैं, जिनका उद्देश्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के मुद्दों को संबोधित करना है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को निर्वाचन क्षेत्र के कई सेक्टरों और ब्लॉकों का दौरा किया, निवासियों से बातचीत की और अधिकारियों को चल रही चिंताओं को तुरंत हल करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और दिल्ली पुलिस के अधिकारी भी मौजूद थे।

आम आदमी पार्टी (आप) के शासन की सीधी आलोचना करते हुए, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पर्याप्त बजट आवंटन के बावजूद प्रगति की कमी पर सवाल उठाया और निवासियों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई का वादा किया। क्षेत्र के विकास के बारे में बात करते हुए, गुप्ता ने स्थानीय विधायकों और क्षेत्र के लिए आवंटित 15 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण बजट के बावजूद वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए आप की आलोचना की। भारी बजट के बावजूद, कुछ भी नहीं किया गया है। लोग पानी की कमी और खराब सीवर सिस्टम से पीड़ित हैं। पैसा कहां गया? सीएम गुप्ता ने सवाल किया।

मुख्यमंत्री ने आप की निष्क्रियता पर और भी अधिक निशाना साधा और कहा कि सब कुछ अव्यवस्थित है। सड़कों पर गंदा पानी बह रहा है, और सड़कें और नालियां जैसी बुनियादी संरचनाएं नहीं बनाई गई हैं। वर्षों से, बजट आवंटन के बावजूद, बुनियादी जल आपूर्ति प्रदान करने में भी कोई प्रगति नहीं हुई है। हम अनिवार्य रूप से दिल्ली में शून्य से शुरुआत कर रहे हैं क्योंकि पिछली सरकार कार्रवाई करने में विफल रही। यात्रा के दौरान संबोधित किए गए प्रमुख मुद्दों में से एक शालीमार बाग में यातायात की भीड़ थी, जो सड़क विक्रेताओं के कारण हो रही थी। इसे कम करने के लिए, रेखा गुप्ता ने विक्रेताओं को शमशान रोड पर एक नए निर्दिष्ट स्थान पर स्थानांतरित करने की देखरेख की। गुप्ता ने बताया कि स्ट्रीट वेंडर्स की वजह से यह इलाका बहुत भीड़भाड़ वाला था। हमने अब उन्हें एक नया स्थान प्रदान किया है, जिससे यातायात की समस्या कम होगी और एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसी आपातकालीन सेवाएं आसानी से इस क्षेत्र तक पहुंच सकेंगी।

विक्रेताओं ने खुद इस कदम पर संतोष व्यक्त किया और अपने नए स्थान पर प्रकाश, पानी और फुटपाथ सहित उचित सुविधाएं प्रदान करने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की। बुनियादी ढांचे के मुद्दों को संबोधित करने के अलावा, गुप्ता ने झुग्गियों और झुग्गियों में रहने वाले लोगों को यह भी आश्वासन दिया कि उनकी रहने की स्थिति में सुधार किया जाएगा। गुप्ता ने कहा कि हम इन झुग्गी-झोपड़ियों में जल निकासी व्यवस्था बनाने, शौचालय उपलब्ध कराने और बच्चों के लिए खेल के मैदान विकसित करने का काम शुरू कर रहे हैं। कोई भी झुग्गी नहीं तोड़ी जाएगी। यह झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के लिए 'अच्छे दिन' की शुरुआत है, क्योंकि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार हर गरीब नागरिक के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने निर्वाचन क्षेत्र शालीमार बाग में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद कहा कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के लिए 'अच्छे दिन' शुरू हो रहे हैं, क्योंकि झुग्गियों और कॉलोनियों के लिए 'वास्तव में' काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसीब) में 700 करोड़ रुपये की धनराशि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के कल्याण के लिए है और 10 साल पहले बनाए गए 52,000 फ्लैट अब जीर्णोद्धार के बाद उन्हें दिए जाएंगे। पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए सीएम गुप्ता ने कहा कि उन्होंने झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के लिए काम नहीं किया और लोगों को गुमराह किया कि भाजपा सरकार उनके लिए काम नहीं करेगी, लेकिन आज भाजपा सरकार हर गरीब का ख्याल रख रही है और उनके लिए बुनियादी सुविधाएं, पानी, पार्क, शौचालय सुनिश्चित कर रही है।

इससे पहले सोमवार को सीएम रेखा गुप्ता ने शहर के सभी 11 राजस्व जिलों के जिलाधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक बुलाई।बैठक का मुख्य फोकस राजस्व जिलों में प्रशासनिक और विकासात्मक प्रगति का आकलन करना, स्थानीय मुद्दों को हल करना और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को मजबूत करना था।

दिल्ली में निजी स्कूलों की फीस वृद्धि पर बवाल

'आप' का भाजपा पर 'शिक्षा माफिया' से गठजोड़ का आरोप

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में एक बार फिर निजी स्कूलों द्वारा फीस वृद्धि को लेकर सियासत गरमा गई है। आम आदमी पार्टी (आप) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली सरकार पर 'मध्यम वर्गीय परिवारों को लूटने' का आरोप लगाया है। 'आप' के नेता सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 1 अप्रैल 2025 से दिल्ली के अधिकांश निजी स्कूलों ने मनमाने ढंग से फीस बढ़ा दी है, जिससे अभिभावकों में भारी रोष है। प्रदर्शनकारी अभिभावकों की आवाज सुनने की बजाय सरकार मूकदर्शक बनी हुई है।

उन्होंने बताया कि दिल्ली में जब आम आदमी पार्टी की सरकार थी, तब निजी स्कूलों की फीस पर नियंत्रण लगाया गया था। लेकिन अब, भाजपा के शासन में शिक्षा माफिया को खुली छूट दे दी गई है। उन्होंने दावा किया कि फीस बढ़ाने की मांग को लेकर 'एक्शन कमेटी ऑफ यूनाइटेड रिकॉग्नाइज्ड प्राइवेट स्कूल्स' नामक संस्था ने हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की थीं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस संस्था के अध्यक्ष भरत अरोड़ा भाजपा की दिल्ली प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य हैं और पार्टी के शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रमुख भी हैं। यही नहीं, चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के लिए भी प्रचार किया था।

'आप' प्रवक्ता अनुराग ढांडा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और निजी स्कूलों के बीच सीधा गठजोड़ है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति सीएम रेखा गुप्ता का प्रचार करता है, वही अब फीस बढ़ाने वाली संस्था का अध्यक्ष है। इससे साफ है कि सरकार ने निजी स्कूलों को फीस बढ़ाने की खुली छूट दे दी है। आम आदमी पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि स्कूलों के ऑडिट की जिम्मेदारी कैग या किसी योग्य ऑडिटर को देने की बजाय भाजपा सरकार ने इसे एसडीएम के हवाले कर दिया। 'आप' नेताओं का कहना है कि यह केवल दिखावे की कार्रवाई है, जिसे अदालत में चुनौती देकर निजी स्कूल फिर से मनमानी करेंगे। 'आप' ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मांग की है कि वह तुरंत फीस वृद्धि को रद्द करने का आदेश जारी करें। अगर ऐसा नहीं किया गया तो यह साबित हो जाएगा कि वह भी इस 'शिक्षा माफिया' गठजोड़ में शामिल हैं। दिल्ली में मध्यम वर्ग पर बढ़ते बोझ और निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ अब जनता सड़कों पर है। 'आप' ने इसे लोकतंत्र और शिक्षा के अधिकार पर हमला करार दिया है।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने पांच बांग्लादेशी नागरिकों को दबोचा

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस ने जहांगीर पुरी मेट्रो स्टेशन के पास से पांच अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से प्रतिबंधित आईएमओ ऐप से लैस सात मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं। जिनका उपयोग ये अपने परिवारजनों से संपर्क साधने के लिए कर रहे थे। उत्तर पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने मंगलवार को बताया कि पकड़े गए सभी नागरिकों ने भारत में अवैध रूप से घुसपैठ की थी। ट्रेनों के जरिए दिल्ली पहुंचे थे। जांच में खुलासा हुआ है कि ये लोग अपने असली पहचान को छुपाने के लिए ट्रांसजेंडर का रूप धारण कर भीख मांगने और अन्य गतिविधियों में संलिप्त थे। उन्होंने पुलिस से बचने के लिए हार्मोनल इंजेक्शन व सर्जरी का भी सहारा लिया था। पकड़े गए आरोपितों की पहचान मोहम्मद शकीदुल, मोहम्मद दुलाल, मोहम्मद आमिरुल, मोहम्मद माहिर उर्फ माहि और मोहम्मद सद्दाम हुसैन उर्फ रुबीना के रूप में हुई है। डीसीपी के अनुसार उत्तर पश्चिम जिले में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया हुआ है। इसी क्रम में जहांगीर पुरी और महेन्द्रा पार्क थाना क्षेत्र में एक विशेष टीम गठित की गई थी। सात दिनों की निगरानी और तकनीकी विश्लेषण के बाद एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। पुलिस की टीम ने सुबह तड़के जाल बिछाकर पांच संदिग्धों को दबोचा। पुलिस के मुताबिक इनके पास से सात मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। इनमें प्रतिबंधित आईएमओ ऐप इंस्टॉल था। गिरफ्तार किए गए सभी व्यक्तियों को एफआरआरओ, आरके पुरम को सौंप दिया गया है।

आईपीएल मैचों में सट्टा लगाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के दौरान सक्रिय एक क्रिकेट सट्टेबाजी गिरोह का भंडाफोड़ कर यहां पहाड़गंज इलाके से छह लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहाड़गंज में लक्ष्मी नारायण स्ट्रीट स्थित एक परिसर में छह अप्रैल को आरोपी सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स के बीच मैच पर कथित तौर पर सट्टा लगा रहे थे, तभी एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस के एक दल ने वहां छापा मारा। पुलिस के अनुसार आरोपी लैपटॉप और मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर सट्टा लगा रहे थे। छापे के दौरान सट्टा रिकॉर्ड करने के लिए इस्तेमाल में लाये जा रहे पांच मोबाइल फोन, एक टैबलेट, एक लैपटॉप और कई नोटबुक जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि उसने आरोपियों- विजय (35) और भरत (35), मोहित (29), कुशाग्र (30), पुलकित (30) एवं गगन (26)- को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि विजय इस गोरखधंधे का सूत्रधार है, जबकि संपत्ति के मालिक मोहित को मुनाफे में 20 प्रतिशत हिस्सा मिलता था। अन्य लोग वेतनभोगी कर्मचारी थे और मामले में आगे की जांच जारी है।

जहांगीरपुरी में व्यक्ति को पीटने के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में होली के दौरान एक व्यक्ति की बेरहमी से पिटाई करने के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने सोमवार शाम जहांगीरपुरी में कई जगहों पर छापेमारी कर अनिल (34), राहुल (24), चंदू लाल (58) और अशोक कुमार (58) को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में पिछले सप्ताह चार अन्य आरोपियों सुनील, दीपक, अमित और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के मुताबिक, यह मामला 14 मार्च को बहस के बाद अजय खत्री (30) नाम के व्यक्ति पर हमले से संबंधित है। इसने बताया कि गंभीर रूप से घायल खत्री को बीजेआरएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

उपराज्यपाल वीके सक्सेना के मानहानि मामले में मेधा पाटकर को राहत

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत सेशंस कोर्ट ने दिल्ली के उप-राज्यपाल वीके सक्सेना की ओर से दाखिल आपराधिक मानहानि के मामले में दोषी करार नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर को राहत दी है। एडिशनल सेशंस जज विशाल सिंह ने मेधा पाटकर को एक साल के लिए परिवीक्षा पर रहने का आदेश दिया। इसका मतलब है कि मेधा पाटकर को मजिस्ट्रेट कोर्ट की ओर से मिली तीन महीने की जेल की सजा की जगह एक साल के लिए परिवीक्षा के तहत रहना होगा। कोर्ट ने मेधा पाटकर को अपने अच्छे आचरण की अंडरटेकिंग की शर्त पर परिवीक्षा के रहने की अनुमति दी है।

इसी के साथ कोर्ट ने मजिस्ट्रेट कोर्ट की ओर से मेधा पाटकर पर लगाए गए दस लाख रुपये के जुर्माने को कम करते हुए एक लाख रुपये कर दिया है। सेशंस कोर्ट ने कहा कि मेधा पाटकर की उम्र 70 वर्ष हो चुकी है और उन्हें पहले कभी किसी मामले में दोषी नहीं ठहराया गया है। ऐसे में वे सजा और जुर्माना कम करने की पात्र हैं। सेशंस कोर्ट ने 2 अप्रैल को मेधा पाटकर को मजिस्ट्रेट कोर्ट की ओर से मिली सजा को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी। इससे पहले 27 जुलाई, 2024 को सेशंस कोर्ट ने ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के फैसले पर रोक

लगाते हुए वीके सक्सेना को नोटिस जारी किया था। मेधा पाटकर ने ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की ओर से दी गई पांच महीने की कैद और दस लाख रुपये के जुर्माने की सजा को सेशंस कोर्ट में चुनौती दी थी।

ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ने एक जुलाई, 2024 को मेधा पाटकर को सजा सुनाई थी। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में अधिकतम सजा दो साल की होती है, लेकिन मेधा पाटकर के स्वास्थ्य को देखते हुए पांच महीने की सजा दी जाती है। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने मेधा पाटकर को भारतीय दंड संहिता की धारा 500 के तहत दोषी करार दिया था। कोर्ट ने कहा था कि ये साफ हो गया है कि मेधा पाटकर ने सिर्फ प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए वीके सक्सेना के खिलाफ गलत जानकारी के साथ आरोप लगाए।

शिक्षा मंत्री ने पटपड़गंज विधानसभा इलाके के चार स्कूलों का किया निरीक्षण

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने मंगलवार को पटपड़गंज के स्थानीय विधायक रवींद्र सिंह नेगी के साथ उनके विधानसभा क्षेत्र के चार स्कूलों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया।

उन्होंने पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र के सर्वोदय कन्या विद्यालय, मयूर विहार फेस-2,पॉकेट बी, सर्वोदय कन्या विद्यालय, मंडावली नंबर-1, सर्वोदय कन्या विद्यालय, मंडावली नंबर-3 और राजकीय सह शिक्षा सर्वोदय विद्यालय, वेस्ट विनोद नगर का निरीक्षण किया। निरीक्षण में उनके साथ शिक्षा निदेशक लोक निर्माण विभाग तथा अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। स्कूलों के निरीक्षण के बाद आशीष सूद ने कहा कि हम अपने विधायकों की शिकायत पर दिल्ली के स्कूलों में जहां-जहां बिल्डिंग में या फिर शिक्षा व्यवस्था में कोई भी खामी है। हम उस जगह खुद जाकर निरीक्षण कर रहे हैं। पटपड़गंज के विधायक रवींद्र सिंह नेगी ने अपने विधानसभा क्षेत्र के कई जर्जर स्कूल भवन का जिक्र किया था। जिसे देखने के लिए वह आए है। उन्होंने कहा कि बीते कई सालों से स्कूलों के निर्माण के रूके हुए काम को लेकर वह बेहद चिंतित हैं।

यहीं नहीं कई खतरनाक घोषित हो चुके स्कूलों में बच्चों का आज भी आना-जाना है। सूद ने आगे कहा कि पटपड़गंज विधानसभा में 20 सरकारी स्कूल हैं, जिनमें से कई स्कूलों की छते आज भी पक्की नहीं हो सकी हैं। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार दिल्ली के जर्जर हो चुके सभी स्कूलों की बिल्डिंग की मरमम्त या स्कूलो का पनर्निर्माण प्राथमिकता के आधार पर करने की योजना बना रही है। अंत में सूद ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हमारी सरकार दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए दिल्ली सरकार ने शिक्षा के बजट में 19 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी कर कुल बजट 19291 करोड़ का किया है।

ताकि शिक्षा बजट के पैसे से दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों की दशा एवं दिशा में सुधार कर बच्चों को मूलभूत सुविधा मुहैया करवाई जा सके। शिक्षा मंत्री ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकार ने दिल्ली के राउज एवेन्यू और पटपड़गंज के दो स्कूलों को चमका कर लोगों में शिक्षा क्रांति का भ्रम फैलाया।

पिछली सरकार ने विज्ञापनों के माध्यम से लोगों को भ्रमित भी किया। आज दिल्ली की जनता के सामने उनकी पोल खुल रही है। अभी तो सिर्फ चार स्कूलों के निरीक्षण में ही इतनी खामियां मिली है कि जिनको सुधारने में काफी वक्त लगेगा।

चलती कार में लगी आग, जिंदा जलकर युवक की मौत

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के कापसहेड़ा इलाके में चलती कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते गाड़ी धू-धू कर जलने लगी। हादसे में टोयोटा ग्लैंजों के ड्राइवर की आग की चपेट में आकर दर्दनाक मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़िया मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे के भीतर

आग पर काबू पाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। मृतक की पहचान संदीप के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि बीती देर रात 10:25 बजे थाना कापसहेड़ा में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई कि गाड़ी में आग लगी है और गाड़ी में परिवार फंसा हुआ है। घटना बिजवासन फ्लाईओवर के पास की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटथास्थल पर पाया कि एक कार टोयोटा ग्लैंजा में आग लग गई है। मौके पर दमकल को बुलाया गया और आग पर काबू पाया गया। निरीक्षण करने पर पाया गया कि कार की चालक सीट पर एक अधजला शव है। स्थानीय राहगीरों से पूछताछ करने पर पता चला कि कार बिजवासन फ्लाईओवर से द्वारका-एक्सप्रेसवे की ओर जा रही थी और चलती कार में अचानक आग लग गई और चालक बाहर नहीं आ सका।

द्वारका में चार पहिया वाहन की टक्कर से बच्चा घायल

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका के बाबा हरिदास नगर इलाके में एक 'स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल' (एसयूवी) की टक्कर से सात वर्षीय बच्चा घायल हो गया।

पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद बाबा हरिदास नगर पुलिस थाने की एक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और पाया कि सैनिक एन्क्लेव निवासी बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल बच्चे की हालत स्थिर है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, 'वाहन को जब्त कर लिया गया है। चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।'

लिफ्ट देकर की लूटपाट को दिया अंजाम मैदानगढ़ी में दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार

पीड़ित को चलते ऑटो से फेंका, पुलिस ने मोबाइल, नकदी और हथियार किया बरामद

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के मैदानगढ़ी इलाके में ऑटो में लिफ्ट देकर लूटपाट करने वाले दो शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने लूट का सामान खरीदने वाले रिसीवर को भी पकड़ा है। आरोपियों ने पीड़ित को घायल कर चलते ऑटो से सड़क पर फेंक दिया था।

डीसीपी अंकित चौहान के मुताबिक इस मामले की जांच के लिए एसीपी रघुवीर सिंह, एसएचओ अमित कुमार और थाना मैदानगढ़ी की एक विशेष टीम बनाई गई थी। जांच में आरोपियों की पहचान फुरकान, मंशीत उर्फ मलिंगा उर्फ राज (सत्यानंद कॉलोनी, सतबड़ी निवासी) और रिसीवर समीउल हक उर्फ राजा

(चंदनहोला निवासी) के रूप में हुई है। समीउल लूट का सामान सस्ते दामों पर खरीदता था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत भी मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटा गया मोबाइल, आधार कार्ड, 7,500 रुपये नकद, आठ अन्य मोबाइल फोन, एक चाकू और वारदात में इस्तेमाल किया गया ऑटो भी बरामद किया है। घटना 4 अप्रैल को मैदानगढ़ी थाना क्षेत्र के राजपुर खुर्द के पास हुई थी। पीड़ित व्यक्ति, जो छतरपुर के एक फार्महाउस में माली का काम करता है, ने बताया कि बदमाशों ने उसे लिफ्ट देने के बहाने ऑटो में बैठाया और कुछ दूरी पर उस पर हमला कर 15,000 रुपये, मोबाइल और अन्य सामान लूट लिया। इसके बाद उसे मारपीट कर चलते ऑटो से नीचे फेंक दिया गया। घायल पीड़ित को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया।

सीसीटीवी फुटेज की मदद से फुरकान को सबसे पहले गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर लूट का सामान और ऑटो बरामद किया गया। पूछताछ में फुरकान ने बताया कि उसने ऑटो को 500 रुपये प्रतिदिन किराए पर लिया था। आगे की जांच में मंशीत और समीउल को भी गिरफ्तार किया गया। समीउल पहले भी आठ मामलों में शामिल रह चुका है और हाल ही में जेल से छूटा है।

दिल्ली के कई इलाकों में भीषण गर्मी के आसार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार सुबह मौसम गर्म रहा और न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.2 डिग्री अधिक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली के कुछ इलाकों में भीषण गर्मी का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। आईएमडी उस समय भीषण गर्मी या फिर लू की घोषणा करता है जब मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस या पहाड़ी क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान कम से कम 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है।

इसके अलावा तब भी भीषण गर्मी मानी जाती है जब तापमान में बदलाव सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस और 6.4 डिग्री सेल्सियस के बीच होता है। दिल्ली में सोमवार को मौसम की पहली भीषण गर्मी दर्ज की गई और अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 216 दर्ज किया गया जो 'खराब' श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शून्य से 50 के बीच का एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच का एक्यूआई 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच का एक्यूआई 'मध्यम', 201 से 300 के बीच का एक्यूआई 'खराब', 301 से 400 के बीच का एक्यूआई 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच का एक्यूआई 'गंभीर' माना जाता है।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

व्यापार युद्ध की आशंका

जि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मनमाने टैरिफ हमले के बाद कई अन्य देशों की भी जवाबी कार्रवाई के फैसले से दीर्घकालीन व्यापार युद्ध की आशंका बलवती हो गई है। जिससे पूरी दुनिया में मंदी आने की चेतावनी दी जा रही है। निश्चित तौर पर इससे आर्थिक विकास पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस संशय और अनिश्चितता के चलते शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर बिकवाली से दुनिया के तमाम शेयर बाजार धराशायी हुए हैं। निवेशकों को लाखों करोड़ का नुकसान हो रहा है। आने वाले समय में टैरिफ वॉर के और बढ़ने की आशंका है क्योंकि चीन ने नौ अप्रैल को होने वाली विश्व व्यापार संगठन की बैठक में 'नई व्यापार चिंता' के रूप में अमेरिका की टैरिफ नीति का मुखर विरोध करने का फैसला किया है। चीन का मानना है कि अमेरिका के एकतरफा संरक्षणवाद का दुनिया के देशों को विरोध करना चाहिए, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रणाली की सुरक्षा के लिये एक व्यापक गठबंधन बनाने की जरूरत बतायी है। इन हालात में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय दबाव के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति टैरिफ थोपने के फैसले को वापस लेंगे? या फिर पहले की तरह टैरिफ लगाने की धौंस देते रहेंगे। वैसे इस बात की संभावना कम ही है कि जिद्दी ट्रंप अपने बढ़े कदमों को पीछे खींचेंगे। यहां सवाल यह भी है कि ट्रंप के टैरिफ का जवाब देने वाले देश पलटवार करने में कितने सक्षम हैं। वहीं भारत ने दीर्घकालीन व व्यापक हितों को देखते हुए टकराव टालने का प्रयास किया है और बातचीत का रास्ता चुना है। लेकिन इस अनिश्चितता के दौर में निवेशकों में बढ़ती असुरक्षा ने भारत सरकार पर नीतिगत फैसले लेने के लिये दबाव बनाया है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी संभावना है कि चीन व प्रतिकार करने वाले अन्य देशों के दबाव के कारण ट्रंप अपनी आक्रामक रणनीति को लंबे समय तक जारी नहीं रख पाएंगे। विडंबना यह है कि अमेरिका राष्ट्रपति के इन कदमों से खुद अमेरिका के लिये भी बड़ी आर्थिक चुनौती पैदा हो सकती है। भारत जैसे अन्य विकासशील व विकसित देशों को आशा है कि वैश्विक व घरेलू दबाव ट्रंप को उनकी भूल का अहसास कराएगा। जिससे वे अधिक आर्थिक अराजकता पैदा करने वाले फैसलों से पीछे हटेंगे। वैसे एक हकीकत यह भी है कि अमेरिका अपने कई उत्पादों के लिये अन्य देशों पर निर्भर है। उसके उद्यमियों ने भी दूसरे देशों में औद्योगिक यूनिट लगा रखे हैं। ऐसे में उन देशों पर टैरिफ लगाने से अमेरिकी जनता द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं के दाम भी स्वाभाविक रूप से बढ़ेंगे। यही वजह है कि अमेरिका के शेयर बाजारों में भी बड़ी गिरावट देखी गई है। वैसे आज भी दुनिया की तमाम अर्थव्यवस्थाएं कोरोना काल से पूर्व की आर्थिक स्थिति पर लौटने के लिये संघर्षरत हैं। कमोबेश ये स्थितियां बड़े आर्थिक संकट की आहट दे रही हैं। जिसकी वजह है कि अमेरिका समेत अन्य देशों में निवेश बाधित होने, उत्पादन में गिरावट, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान से वैश्विक स्तर पर महंगाई उत्पन्न होने की चिंताएं बढ़ रही हैं।

हैदराबाद के जंगलों की चीख

किसी को उजाड़ कर बसे तो क्या बसे

हैदराबाद का खजागुड़ा रिजर्व फॉरेस्ट, जो कभी वन्य जीवन, जैव विविधता और स्थानीय समुदायों के लिए एक सुरक्षित आश्रय था, अब क्रेनों और बुलडोज़रों की चपेट में है। वहाँ अब पेड़ों की जगह कंक्रीट खड़े हो रहे हैं, और पक्षियों की चहचहाहट की जगह मशीनों की कराह सुनाई देती है। यह केवल एक क्षेत्र की बात नहीं, बल्कि पूरे भारत में फैली उस प्रवृत्ति का प्रतिबिंब है जहाँ प्रकृति के मूल तत्वों को मिटाकर गगनचुंबी इमारतों को प्रगति का प्रतीक माना जाने लगा है। यह सच है कि शहरीकरण आवश्यक है। बढ़ती आबादी, रोजगार के अवसर और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सुविधाओं की ज़रूरत होती है। परंतु जब यह विकास जंगलों की आहुति लेकर आता है, जब हज़ारों पेड़ कटते हैं और वन्यजीव बेघर हो जाते हैं, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यह प्रगति है या प्रकृति का सुनियोजित विनाश? विकास की परिभाषा ऐसी होनी चाहिए जिसमें संतुलन हो। पर्यावरणीय स्थिरता के बिना कोई भी विकास दीर्घकालिक नहीं होता। लेकिन अफ़सोस कि हमारे नीति-निर्माता और निजी कंपनियाँ अक्सर अल्पकालिक लाभ को ही प्राथमिकता देते हैं। हम यह भूल रहे हैं कि जंगल केवल पेड़ों का समूह नहीं होते। वे पारिस्थितिकीय तंत्र का आधार होते हैं। वे न केवल ऑक्सीजन का स्रोत हैं, बल्कि वर्षा, तापमान नियंत्रण, भूजल संरक्षण और जैव विविधता के लिए अपरिहार्य हैं।

-डॉ सत्यवान सौरभ-

ख जागुड़ा जैसे जंगलों को शहरीकरण के नाम पर नष्ट किया जा रहा है, जिससे न केवल पेड़, बल्कि वन्यजीव और स्थानीय समुदाय भी प्रभावित हो रहे हैं। यह विनाश पर्यावरणीय असंतुलन, जलवायु संकट और सामाजिक अन्याय को बढ़ावा देता है। आज न्याय के दोहरे मापदंड है-जहाँ आम आदमी पेड़ काटे तो अपराध, परंतु सरकार या कंपनियाँ जब हज़ारों पेड़ काटें तो वह "विकास" कहलाता है। हमें ऐसे विकास मॉडल की ज़रूरत है जो प्रकृति के साथ सामंजस्य में हो। अन्यथा, यह ₹विकास₹ हमें एक अंधकारमय भविष्य की ओर ले जाएगा...

'किसी को उजाड़ कर बसे तो क्या बसे'-यह पंक्ति सुनने में भले ही काव्यात्मक लगे, लेकिन इसके पीछे छिपा दर्द, पीड़ा और चेतावनी आज के तथाकथित विकास के मॉडल पर करारी चोट करती है। जब हम हैदराबाद के जंगलों की कटाई और अंधाधुंध शहरी विस्तार की तरफ़ देखते हैं, तो यह सवाल और भी प्रासंगिक हो जाता है: क्या हम सचमुच बसा रहे हैं, या उजाड़ने की प्रक्रिया को ही ₹विकास₹ कहकर महिमामंडित कर रहे हैं?

जंगलों की चीख और शहरी बहरापन

हैदराबाद का खजागुड़ा रिजर्व फॉरेस्ट, जो कभी वन्य जीवन, जैव विविधता और स्थानीय समुदायों के लिए एक सुरक्षित आश्रय था, अब क्रेनों और बुलडोज़रों की चपेट में है। वहाँ अब पेड़ों की जगह कंक्रीट खड़े हो रहे हैं, और पक्षियों की चहचहाहट की जगह मशीनों की कराह सुनाई देती है। यह केवल एक क्षेत्र की बात नहीं, बल्कि पूरे भारत में फैली उस प्रवृत्ति का प्रतिबिंब है जहाँ प्रकृति के मूल तत्वों को मिटाकर गगनचुंबी इमारतों को प्रगति का प्रतीक माना जाने लगा है।

विकास या विनाश?

यह सच है कि शहरीकरण आवश्यक है। बढ़ती आबादी, रोजगार के अवसर और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सुविधाओं की ज़रूरत होती है। परंतु जब यह विकास जंगलों की आहुति लेकर आता है, जब हज़ारों पेड़ कटते हैं और वन्यजीव बेघर हो जाते हैं, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यह प्रगति है या प्रकृति का सुनियोजित विनाश? विकास की परिभाषा ऐसी होनी चाहिए जिसमें संतुलन हो। पर्यावरणीय स्थिरता के बिना कोई भी विकास दीर्घकालिक नहीं होता। लेकिन अफ़सोस कि हमारे नीति-निर्माता और निजी कंपनियाँ अक्सर अल्पकालिक लाभ को ही प्राथमिकता देते हैं।

जंगल नहीं, तो जीवन नहीं

हम यह भूल रहे हैं कि जंगल केवल पेड़ों का समूह नहीं होते। वे पारिस्थितिकीय तंत्र का आधार होते हैं। वे न केवल ऑक्सीजन का स्रोत हैं, बल्कि वर्षा, तापमान नियंत्रण, भूजल संरक्षण और जैव विविधता के लिए अपरिहार्य हैं। जब हम जंगल काटते हैं, तो हम केवल हरियाली नहीं मिटाते, हम अपनी साँसों, अपने पानी, अपने मौसम और अपने जीवन के आधार को भी खो देते हैं। हैदराबाद जैसे शहर, जहाँ पहले से ही गर्मी की तीव्रता और जल संकट बढ़ रहा है, वहाँ जंगलों का समाप्त होना खतरे की घंटी है। यूँ समझिए, कि हम अपने हाथों से अपनी ही कब्र खोद रहे हैं।

वन्य जीवन पर संकट

जंगलों की कटाई केवल पेड़ों पर नहीं, वहाँ रहने वाले असंख्य जीवों पर भी अत्याचार है। खजागुड़ा हो या आरावली, जंगलों में हो रहे निर्माण कार्यों के कारण जानवर अपने प्राकृतिक आवास से बेदखल हो रहे हैं। यही कारण है कि आजकल शहरों में तेंदुए, साँप, या सूअर देखे जाने की घटनाएँ आम होती जा रही हैं। क्योंकि हमने उनका घर छीना, अब वे हमारे बीच भटक रहे हैं।

दोहरे मापदंड और मौन न्याय

यहाँ सबसे बड़ा सवाल न्याय का है। जब कोई आम नागरिक एक पेड़ काटता है, तो उसके खिलाफ़ केस दर्ज होता है। लेकिन जब कोई कंपनी या सरकार हज़ारों पेड़ काटती है, तो उसे "विकास परियोजना" कहकर उसका स्वागत किया जाता है। यह कैसा न्याय है जो बड़े लोगों की भूलों को 'नीति' और छोटे लोगों की भूलों को 'अपराध' मानता है? यहाँ ₹अकल का विहल₹ जैसी पंक्ति चरितार्थ होती है-एक ऐसी स्थिति जहाँ विवेक मौन है और सत्ता का विवेक बेमानी।

जनभागीदारी और प्रतिरोध की ज़रूरत

सौभाग्यवश, इस विनाश के विरुद्ध आवाज़ें उठ रही हैं। हैदराबाद में सैकड़ों पर्यावरण प्रेमियों, स्थानीय निवासियों और एक्टिविस्टों ने जंगलों की कटाई का विरोध किया। उन्होंने यह साफ़ कहा कि विकास चाहिए, पर बर्बादी की कीमत पर नहीं। समाज को यह समझने की ज़रूरत है कि पर्यावरण की रक्षा केवल सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं, हमारी भी है। जब तक आम नागरिक सड़क पर नहीं आएंगे, जब तक जनता अपने जंगलों के लिए नहीं लड़ेगी, तब तक यह विनाश की यात्रा नहीं रुकेगी।

सतत विकास ही एकमात्र रास्ता

हमें एक ऐसे विकास मॉडल की ज़रूरत है जो प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, संवाद करे। हमें ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर, अर्बन फॉरेस्ट, रिन्युएबल एनर्जी और सस्टेनेबल प्लानिंग को प्राथमिकता देनी होगी। ऐसा विकास जो पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना लोगों की ज़रूरतें पूरी करे-वही सच्चा विकास है।

फिर वही सवाल

इस पूरे विमर्श के अंत में हम फिर उसी प्रश्न पर लौटते हैं-किसी को उजाड़ कर बसे तो क्या बसे?

क्या ऐसा घर जिसमें किसी और की छत उजड़ी हो, सच में घर कहलाता है? क्या ऐसी सड़क, जो जंगल की लाश पर बनी हो, सच में प्रगति की राह है? हमें रुक कर सोचना होगा-नहीं तो भविष्य हमें माफ़ नहीं करेगा।

जिबली-जिबली खेलें, मगर संभलकर!

प्रतिभा कुशवाहा

गि बली है कि जिबली है, यह तय करने में काफी गफलत थी। वैसे भी किसी ने कहा है कि नाम में क्या रखा है। बेशक, बात तो काम की होनी चाहिये। तो यह सोशल मीडिया में गदर काट रहा गिबली... गिबली या जिबली... जिबली का चक्कर क्या है। कहीं इसके चक्कर में हम घनचक्कर तो नहीं बने जा रहे हैं। यूं तो सोशल मीडिया ट्रेंड की भरमार हमेशा रहती है। लेकिन बात जिबली ट्रेंड की करें, तो इसकी बात बिलकुल जुदा ही है। यह जिबली क्या है, शायद अब यह बताने वाली बात नहीं रह गई है। बच्चे, युवा, बूढे. सभी जिबली.... जिबली खेल रहे हैं। वैसे तो जिबली एक अनोखा जापानी आर्टवर्क है, जिसे जापान के एक स्टूडियो जिबली ने विकसित किया था। इस एनीमेशन स्टूडिया की स्थापना हायाओ मियाजाकी और उनके दोस्तों ने 1985 में की थी जिसने एनीमेशन फील्ड में कई मशहूर फिल्मों का निर्माण किया था। यहां निर्मित हर फिल्म के हर फ्रेम को हाथों से बनाया जाता था। इसे खासतौर पर डिटेल्ड बैकग्राउंड, वॉटरकलर रंगों, ड्रीम लाइक सीनरी और इमोशनल कैरेक्टर डिजाइन के लिए जाना जाता है। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया में जिबली तस्वीरें नजर आ रही हैं। ये सभी तस्वीरें एनीमेटेड फॉर्म में हैं। 24 मार्च को ओपन एआई ने जीपीटी-40 इमेज जनरेशन फीचर लांच किया था। ओपन एआई के चैट जीपीटी का प्रयोग करके अपनी असली तस्वीरों को जिबली एनीमेटेड तस्वीरों में चेंज कर शेयर करने का ट्रेंड चल पड़ा है। ऐसा नहीं है कि इस ट्रेंड में युवा ही भाग ले रहे हैं, सिनेमा के सितारे, और राजनेताओं ने भी इस ट्रेंड को बढ़ाने में अपनी भूमिका अदा की। इन तस्वीरों का लुक हूबहू असली तस्वीरों से मिलता-जुलता रहता है, लेकिन एनीमेटेड फॉर्म में होता है। इन तस्वीरों का लुक इतना आकर्षक लगता है कि लोगों की दिलचस्पी कम होने का नाम नहीं ले रही है। उनकी इसी दिलचस्पी को भांपते हुये ओपेन एआई के सीईओ सैम अल्टमस ने एक बार में तीन तस्वीरों को जीपीटी-40 इमेज जनरेशन फीचर इस्तेमाल का अश्वासन दे दिया है।

सवाल है कि इस टेंर्ड यानी भेड़चाल का किसे नफा और किसे नुकसान होगा। जिबली... जिबली का खेल किस पर भारी पड़ने वाला है। जिस तेजी से हम खेल और मनोरंजन के लिये अपनी फोटो ओपन एआई को सौंप रहे हैं, उनका होगा क्या। ऐसा करके हम क्या खतरा मोल ले रहे हैं, इस बात पर सोचने का वक्त सोशल मीडिया के जमाने में हमारे पास कम ही बचा है, क्योंकि यह तो सब कर रहे हैं। वास्तव में एआई का पूरा कारोबार डेटा पर टिका हुआ है। एआई उतना ही काम कर सकता है जितना उसके पास सटीक

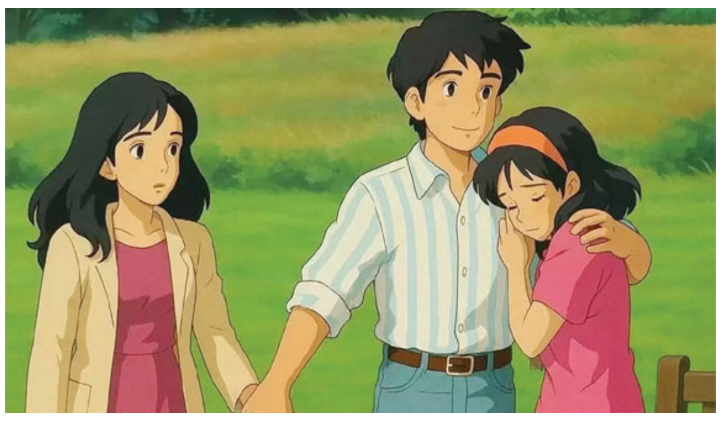

उपलब्ध डेटा उसे अलाउ करेगा। जिबली के इस खेल में हमारे 'फेशियल' डेटा हम खुशी से एआई को सौंप रहे हैं। सवाल है कि एआई इससे क्या करेगा। तो बात दें कि इससे कमाल की टेक्नोलॉजी विकसित की जाती है, जिसे फेशियल रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी कहते हैं।

फेशियल रिकॉग्निशन एक बायोमेट्रिक तकनीक है, जो इंसान के चेहरे को स्कैन करके उसकी पहचान करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) का उपयोग करती है। इसके लिये डेटा कलेक्शन का काम किया जाता है। कैमरे या इमेज सेंसर के माध्यम से व्यक्ति के चेहरे की तस्वीर या वीडियो बनायी जाती है। एआई आधारित एल्गोरिदम चेहरे की मुख्य विशेषताओं (जैसे आंख, नाक, होंठ, ठोड़ी आदि) को पहचानता है और उन्हें डिजिटल डेटा में बदल देता है। पहचाने गए फीचर्स को डेटाबेस में पहले से स्टोर की गई छवियों से मिलाया जाता है। अगर चेहरे का डेटा डेटाबेस में मौजूद डेटा से मेल खाता है, तो व्यक्ति की पहचान सत्यापित हो जाती है। यह तकनीक कई क्षेत्रों में उपयोग की जा रही है, जैसे सुरक्षा, स्मार्टफोन अनलॉकिंग, बैंकिंग, हेल्थ सेक्टर और कानून प्रवर्तन।

फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक आज के डिजिटल युग में तेजी से विकसित हो रही है। यह सुरक्षा, स्वास्थ्य, और वित्तीय लेन-देन जैसे कई क्षेत्रों में उपयोगी साबित हो रही है। जाहिर है कि इसका मार्केट वैल्यू भी होगा और बाजार भी। आज फेशियल रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी का वैश्विक बाजार तेजी से बढ़ रहा है, जिससे संबंधित कंपनियों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। कॉग्निटिव मार्केट रिसर्च के अनुसार 2024 में इसका वैश्विक बाजार मूल्य लगभग 6515.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। 2024 से 2031 के बीच 17 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से इसके बढ़ने का अनुमान है। अब इससे हमें क्या नुकसान हो सकता है। इसे जानना भी जरूरी है। इस खेल के चक्कर में जब हम अपनी फोटो खुद एआई प्लेटफार्म पर अपलोड करते हैं, तो हम अपनी परमीशन दे देते हैं, इससे एआई या संबंधित एप को निजी डाटा प्रोसेस करने में आसानी हो जाती है। साथ ही फोटो को एआई पर शेयर कर उनके इस्तेमाल पर प्राइवेसी नहीं लगा सकते। इससे एआई उन तस्वीरों का भी प्रयोग कर सकता है। खुद चैट जीपीटी से जब इस बावत पूछा गया तो उसने कहा कि अगर एआई आधारित स्टूडिया जिबली ऑर्ट जेनरेटर एक सुरक्षित और विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है, तो इसका उपयोग किया जा सकता है। अगर इसकी डेटा प्राइवेसी पॉलिसी संदिग्ध है या यह अनजान बेवसाइट पर होस्ट किया गया है, तो अपनी निजी फोटो अपलोड करना सुरक्षित नहीं है। तो समझा जा सकता है कि यह जिबली...जिबली का क्या है खेला।

पर्स में पैसे नहीं टिकते तो करें ये आसान उपाय

धर्मकर्म

प र्स ऐसी चीज है जिसे आप घर से बाहर जाने पर कभी नहीं भूलते हैं। पर्स में लोग तमाम जरूरी चीजों को रखते हैं। चाहे एटीएम कार्ड हो या आपका ड्राइविंग लाइसेंस। रुपये हों या फिर आपसे जुड़ी कोई महत्वपूर्ण वस्तु। आपका पर्स आपके लिए बेहद जरूरी है। कई लोगों का कहना होता है कि पर्स में पैसे टिकते ही नहीं। अगर आप वास्तु के अनुसार अपने पर्स को रखें तो हमेशा आपके पर्स में बरकत रहेगी। अपने बटुए या पर्स में किसी भी तरह की खाने की चीज न रखें। पर्स में खाने की वस्तु रखने से पैसा नहीं टिकता है। अपने पर्स में पवित्र और धार्मिक वस्तुओं को जरूर रखें। आप रुद्राक्ष भी अपने पर्स में रख सकते हैं। यह आपको बरकत देगा। आपको यह उपाय अजीब लगे लेकिन यह है बेहद कारगर। आपको अपने पर्स में बिल्कुल थोड़ा सा गाय का गोबर रखना है। इस उपाय को करने से पर्स में हमेशा लक्ष्मी टिकती हैं और हां यह उपाय आपको बेवजह के खर्च से भी बचाता है। वास्तु के अनुसार आप अपने पर्स में लक्ष्मी मां की तस्वीर जरूर रखें। ऐसा करने से माना जाता है कि कहीं न कहीं से पैसे आपके पर्स में आ ही जाएंगे। आपका पर्स कभी खाली नहीं होगा। अगर आप ज्यादा खर्च करते हैं तो ऐसे में आप अपने पर्स में चुटकीभर चावल रख लें। ऐसा करने से आपके पैसे जल्दी खर्च नहीं होंगे। ऐसा माना जाता है कि अगर आपकी कोई मनोकामना है तो इसे एक कागज पर लिखें और लाल रंग के लिफाफे में बंद कर अपने पर्स में रख लें। यह मनोकामना जल्द ही पूरी हो जाएगी।

आज का इतिहास

महत्वपूर्ण दिवस

1860: पहली बार मनुष्य की आवाज का अंकन किया गया।
1965: कच्छ के रन में भारत-पाकिस्तान में युद्ध छिड़ा।
1988: ली पेंग चीन के प्रधानमंत्री बने।
1989:एशिया की पहली संपूर्ण भूमिगत संजय जल विद्युत परियोजना शुरू।
1998: सऊदी अरब में मीना के पास भगदड़ में 150 से लोगों की मृत्यु।
1999: नाइजर के राष्ट्रपति इब्राहिम बारे मैनसारा की हत्या।
1999: खालसा पंथ की त्रिशती पर विशेष डाक टिकट जारी।
2002: बहरीन में निगम चुनाव में महिलाओं को भी भाग लेने की छूट मिली।
2003: स्टीव वॉ सर्वाधिक टेस्ट (157) खेलने वाले खिलाड़ी बने।
2004: इराक में अमेरिकी काफिले पर हमले में नौ लोगों की मृत्यु।
2004: पुर्तगाल के सर्वोच्च न्यायालय ने माफिया सरगना अबू सलेम के भारत प्रत्यर्पण संबंधी आदेश की पुन: समीक्षा करने को कहा।
2005: ब्रिटेन के युवराज चार्ल्स से कैमिला का विवाह।
2006: यूरेनस ग्रह के चारों ओर शनि जैसा वलय होने की पुष्टि।
2006: पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ़ ने 2007 के चुनाव के बाद भी अपने पद बने रहने की घोषणा की।
2008: नेपाल में बहु प्रतीक्षित संविधान सभा के लिए मतदान।

जन्म

1893: हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार राहुल सांकृत्यायन।
1948: अभिनेत्री जया बच्चन।
1954: प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ और अर्थशास्त्री जयराम रमेश।

निधन

2010- बिशप एबेल मुजोरेवा, स्वतंत्रता पूर्व जिम्बाब्वे के प्रधानमंत्री
1981: प्रथम महिला नेता दुर्गाबाई देशमुख।
1984 - भाऊराव देवाजी खोब्रागडे - भारतीय भारतीय रिपब्लिकन पार्टी के राजनीतिज्ञ थे।
2009: प्रसिद्ध फिल्म निर्माता एवं निर्देशक शक्ति सामंत।

विमान क्रैश : ये चूक किस पर भारी?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दे श में कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं, जो बार-बार होती है, किंतु इसके बाद भी उनसे हम कुछ सबक लेना नहीं चाहते। तर्कों की बोछारों के बीच इस मामले में अपने-अपने सभी के तर्क हो सकते हैं। कोई सिस्टम का हवाला देगा तो कोई संसाधनों की कमी या समय को इसके लिए दोषी मानेगा, किंतु इस सब के बीच जो नहीं बदलने वाला वह है सत्य, जो घट चुका है। दो अप्रैल को हुए विमान हादसे में इंडियन एयरफोर्स के फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव का सिर्फ 28 वर्ष की अल्प आयु में निधन हो गया। उनके निधन ने एक बार फिर से भारतीय सेना द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे दशकों पुराने विमानों को लेकर बहस छेड़ दी है। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने स्वयं स्वीकार किया है कि 'जगुआर लड़ाकू विमान में पायलटों को तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ा और हादसा हो गया।'

संवेदना के स्तर पर एक मां का भावुक पत्र पूरे सिस्टम को आज बड़ा संदेश दे रहा है। वस्तुतः 2001 में एमआईजी-21 क्रैश में हुतात्मा होनेवाले फ्लाइट लेफ्टिनेंट अभिजीत गाडगिल की मां ने फेसबुक के माध्यम से एयरफोर्स के विमान हादसों को लेकर लिखा है, "मैं चाहती हूं कि आप याद रखें। गुस्सा करें। बेहतर की मांग करें। परवाह करने के लिए अगली दुर्घटना का इंतजार न करें।" 75 साल की कविता गाडगिल लिखती हैं, "इन लड़कों को फोटो खिंचवाने और देशभक्ति के हैशटैग तक सीमित न रखें, भारत के प्रिय नागरिकों, एक और जवान चला गया। फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव। युद्ध में शहीद नहीं हुआ। लड़ाई में नहीं मारा गया। लेकिन 46 साल पुराने जगुआर जेट में खो गया, जिसे उसके जन्म से बहुत पहले ही जमीन पर उतार दिया जाना चाहिए था। उनकी मृत्यु एक ऐसे विमान को उड़ाते हुए हुई जिसे दुनिया ने दशकों पहले ही रिटायर कर दिया था। एक ऐसा विमान जो मिग-21 की तरह आज भी हमारे आसमान में आतंक मचा रहा है और हमारे सबसे होनहार और बहादुर लोगों की जान ले रहा है, दुश्मन की कार्रवाई की वजह से नहीं, बल्कि हमारी अपनी उदासीनता के कारण।"

ये मां आगे लिखती हैं, "मेरे बेटे, फ्लाइट लेफ्टिनेंट अभिजीत गाडगिल की भी इसी तरह मृत्यु हुई थी। 2001 में। तब से, 340 से अधिक भारतीय वायु सेना के विमान दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। 150 से अधिक पायलट मारे गए हैं। संख्याएं भयावह हैं। उनके बारे में चुप्पी, और भी बदतर है। और फिर भी, हम आगे बढ़ते हैं। कोई जवाबदेही नहीं। कोई सुधार नहीं। कोई आक्रोश नहीं। इसके बजाय हमें सलाह मिलती है। मंत्रियों और नौकरशाहों से जो इनोवेशन और 'डीप टेक' रिवॉल्यूशन की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। जो युवा उद्यमियों और सपने देखने वालों को पर्याप्त काम न करने के लिए दोषी ठहराते हैं। जबकि उनकी अपनी मशीनरी, पीएसयू, रक्षा अनुसंधान संगठन, राज्य तंत्र, साल-दर-साल हमारे सशस्त्र बलों को विफल करते रहते हैं।हम ग्लोबल पावर बनने की बात करते हैं। हम विश्व मंच पर सम्मान की मांग करते हैं। लेकिन हम अपने ऑफिसर्स को पुराने विमानों, उधार के समय और उधार के पुर्जों पर उड़ने वाली मशीनों में भेजते हैं। और हम इसे वीरता कहते हैं। यह वीरता नहीं है। यह हिंसा है।"

ये दर्द बहुत भयंकर है, "हमारे अपने लोगों के खिलाफ राज्य द्वारा स्वीकृत हिंसा। सिद्धार्थ की सगाई हुई थी। दुर्घटना से दस दिन पहले। वह अपना जीवन संवार रहा था। और हमने उसे कॉकपिट के नाम पर एक ताबूत दिया। मुझे आपकी संवेदनाएं नहीं चाहिए३ उनके ताबूतों को सलाम मत करो और अगले हफ़्ते की सुर्खियों में उन्हें भूल जाओ३ वे इससे बेहतर के हकदार थे। हम उनसे बेहतर के लिए ऋणी हैं३" कहना होगा कि भारतीय वायु सेना के पिछले एक साल में छह फाइटर जेट क्रैश हुए हैं। दिसंबर 2024 में संसद की स्टैंडिंग कमेटी की एक रिपोर्ट में यह बताया गया था कि वर्ष 2017 से 2022 के बीच कुल 35 फाइटर जेट्स कॉम्बैट हेलीकॉप्टर और ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट दुर्घटनाग्रस्त हुए, जिसमें कि 54 प्रतिशत ये क्रैश किसी तकनीकी खराबी के कारण नहीं पायलट या किसी और ऑफिसर की गलती, ह्युमन एरर के कारण से हुए। सरकार ने संसद में यह भी बताया था कि अब भारत में ऐसी दुर्घटनाएं बहुत कम हो रही हैं और पहले जहां 10 हजार फ्लाइंग हॉर्स पर यह 0.9 थीं वह अब 2020 से 2024 तक 0.2 पर आ गई हैं। अब सेना और भारत सरकार के समर्थन में बात रखनेवाले इस आंकड़े को देखकर अवश्य यह कह सकते हैं कि सरकार तो अपना काम कर रही है। घटनाओं में कमी साफ बता रही है कि कैसे भारत में इस ओर भी सशक्त रूप से ध्यान दिया जा रहा है। पर विषय इतना सरल नहीं कि इसकी गंभीरता को इतना कहकर नकार दिया जाए! क्योंकि भारत इन दुर्घटनाओं के चलते अपने श्रेष्ठ पायलटों को लगातार खो रहा है।

वास्वत में यह बहुत ही समझ के परे है कि भारतीय वायुसेना अब तक 1970 के दशक के पुराने जगुआर लड़ाकू विमानों पर क्यों निर्भर है? करीब 120 जगुआर भारतीय वायुसेना के बेड़े में अब भी मौजूद हैं, जबकि दुनिया इस श्रेणी के पुराने विमानों को दशकों पहले ही हटा चुकी है। यह सही है कि जगुआर को कभी तेज और नीची ऊंचाई पर मिशन अंजाम देने के लिए डिजाइन किया गया था। इसके माध्यम से कभी 1987 से 1990 के बीच श्रीलंका में इंडियन पीस कीपिंग फोर्स मिशन के दौरान इसने महत्वपूर्ण जासूसी और निगरानी में अपनी सशक्त भूमिका को अंजाम दिया। इस दौर में जब भारत की परमाणु शक्ति आकार ले रही थी, तब मुख्य डिलीवरी प्लेटफॉर्म के रूप में अपना कार्य बखूबी अंजाम देने में भी यह सफल साबित हुआ। वहीं जगुआर 1999 के करगिल युद्ध में ऊंचे और कठिन इलाकों में सटीक बमबारी कर रहा था। इसके अलावा वर्ष 2003 में पृथ्वी-II मिसाइल के आने तक जगुआर ही भारत की न्यूक्लियर स्ट्राइक फोर्स की रीढ़ बना रहा, किंतु यह भी सच है कि आज के आधुनिक स्टेल्थ फाइटर जेट के मुकाबले यह पूरी तरह से कमजोर साबित हो रहा है। इसकी नीची उड़ान क्षमता, जो कभी इसकी ताकत रही, वह अब दुश्मन की एडवांस्ड रडार टेक्नोलॉजी के सामने अपना प्रभाव खो चुकी है। इसलिए हमें यह स्वीकारना होगा कि जगुआर की तकनीक अब पुरानी हो चुकी है और इसकी क्षमताएं भारत की रक्षा जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहीं, बलकि अपने होनहार पायलटों को खोने का कारण बन रही है। इसलिए अच्छा हो भारत सरकार इस विषय पर अति गंभीरता से ध्यान दे और इस तरह की पुरानी तकनीक के जितने भी विमान हैं उन्हें सेना से विदा कर उन्नत तकनीक के विमानों से उसकी पूर्ति करे। वस्तुतः आज यह कहना सही होगा कि यह किसी एक मां का दर्द नहीं, जिसने अपने बेटे को विमान हादसे में खोया है, बलकि यह हर भारत वासी का दर्द है जो अपने वतन और अपने बहादुर सैनियों से अपार प्रेम करते हैं। अब सरकार इस बार को जितना जल्दी समझे उतना अच्छा है!

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

सरकार ने पीआरडी जवानों का बढ़ाया ड्यूटी भत्ता

सीएम योगी की अध्यक्षता में आयोजित मंत्री परिषद की बैठक में प्रस्ताव को मिली मंजूरी

▶▶ अब हर पीआरडी जवानों को 395 रुपये की बजाय 500 रुपए मिलेगा भत्ता

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेश में प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) जवानों को सौगात देते हुए इनके ड्यूटी भत्ते में लगभग 26 फीसदी की बढ़ोत्तरी कर दी है। अब इन्हें ड्यूटी भत्ते के तौर पर 500 रुपये दिए जाएंगे। इसका लाभ प्रदेश के 34 हजार पीआरडी जवानों को मिल सकेगा। मुख्यमंत्री योगी की अगुआई में मंगलवार को लोकभवन में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई। इसके तहत पीआरडी जवानों का भत्ता 395 रुपये से बढ़ाकर अब इसे 500 रुपये कर दिया गया है। मौजूदा समय में प्रदेश में 34 हजार से अधिक पीआरडी जवान तैनात हैं और इस बढ़ी हुई राशि का लाभ इन सभी जवानों को मिल सकेगा। सरकार के इस कदम से प्रदेश के पीआरडी जवानों में खुशी लहर है। मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बैठक में कुल 15 प्रस्ताव रखे गए, जिसमें 13 को स्वीकृति प्रदान की गई। इसी में प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) का ड्यूटी भत्ता बढ़ाने के निर्णय को भी मंजूरी मिली। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने पीआरडी जवानों के ड्यूटी भत्ते को 395 रुपये 500 रुपये किये जाने पर अपनी सहमति दी है। ड्यूटी भत्ते में यह 105 रुपये की वृद्धि एक अप्रैल 2025 से लागू मानी जायेगी। उन्होंने बताया कि इससे प्रदेश सरकार पर 75 करोड़ 87 लाख 50 हजार रुपये का अतिरिक्त व्यय भार आयेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कुल 34092 पीआरडी स्वयंसेवक हैं, जिन्हें इसका लाभ मिलेगा। प्रस्ताव के क्रियान्वयन के बाद पीआरडी स्वयंसेवकों की 30 दिन की उपस्थिति के आधार पर ड्यूटी भत्ते में 3150 रुपये प्रतिमाह की बढ़ोत्तरी हो जायेगी।

अधीनस्थ सहकारी समितियां और पंचायत लेखा परीक्षा सेवा नियमावली में पुनर्गठन के प्रस्ताव को मंजूरी

मंत्रिमंडल की बैठक में वित्त विभाग का भी प्रस्ताव रखा गया। इसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सहकारी समितियां और पंचायत लेखा परीक्षा सेवा नियमावली 2025 पुनर्गठन के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अभी तक जो प्रमोशन के पद थे वो ज्यादा थे और नीचे के पद कम थे। अब इस पिरामिड को ठीक किया गया है। इसके अंतर्गत अब नीचे वाले पद ज्यादा किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत कुल 1307 पदों में से 150 पदों को उच्चीकृत करते हुए सहायक लेखा परीक्षाधिकारी के पूर्व सृजित 255 पदों में सम्मिलित कर सहायक लेखा परीक्षाधिकारी के कुल 405 पद एवं 1307 पदों में से 464 पद निम्नीकृत करते हुए लेखा परीक्षक के रूप में सृजित 436 पदों में सम्मिलित कर लिया गया है। यानी नीचे के पद कुल 900 हो गए। पुनर्गठन की प्रक्रिया के तहत नीचे के पद ज्यादा होंगे और ऊपर धीरे-धीरे कम होते चले जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

दरगाह पर धार्मिक झंडा लहराने के मामले में तीन पुलिसकर्मी निलंबित

प्रयागराज। बहरिया थाना अंतर्गत सिकंदरा में स्थित एक मजार के द्वार के ऊपर रविवार को धार्मिक झंडा लहराने के मामले में एक दरोगा और दो कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। अपर पुलिस उपायुक्त (गंगानगर) पुष्कर्म वर्मा की जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस उपायुक्त (गंगा नगर) कुलदीप सिंह गुनावत ने बहरिया चौकी प्रभारी रवि कटियार, कांस्टेबल अंशु कुमार और कांस्टेबल सुनील कुमार यादव को निलंबित कर दिया है। डीसीपी (गंगा नगर) कुलदीप सिंह गुनावत ने यह जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को इस घटना के संबंध में तीन नामजद और कई अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मनेंद्र सिंह नाम का युवक, दो अन्य युवकों का नेतृत्व कर रहा था। मनेंद्र को सोमवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि ड्यूटी में लापरवाही बरतने के लिए बहरिया चौकी प्रभारी रवि कटियार, कांस्टेबल अंशु कुमार और कांस्टेबल सुनील कुमार यादव को निलंबित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि रविवार को रामनवमी पर कुछ युवक बहरिया थाना अंतर्गत सिकंदरा में गाजी मियां की दरगाह के द्वार पर धार्मिक झंडा लहराते हुए नारेबाजी कर रहे थे जिन्हें पुलिस ने ऐसा करने से रोका और उन्हें वहां से हटा दिया था। गुनावत के मुताबिक, इस दरगाह में पांच मजारें हैं और इस मजार पर हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग चादर चढ़ाने आते हैं।

सिलेंडर में आग लग जाने से चार महिलाओं समेत पांच लोग गंभीर रूप से जले

शाहजहांपुर। फर्रुखाबाद जिले में चाय बनाते समय रसोई गैस के सिलेंडर में आग लग जाने से चार महिलाओं समेत पांच लोग गंभीर रूप से जलकर घायल हो गए हैं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने मंगलवार को बताया कि थाना कमालगंज क्षेत्र के अंतर्गत टांडा बहरामपुर गांव में रहने वाले शैतान सिंह के घर में आज सुबह यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि सुबह चाय बनाने के लिए जब घर की महिला ने माचिस जलाई तो गैस सिलेंडर ने आग पकड़ ली जो फैलती चली गई और घर में रखा घरेलू सामान भी जल गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान घरेलू सामान निकालने की कोशिश कर रही चार महिलाएं तथा एक पुरुष आग में जलकर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं । सूचना मिलने पर पुलिस ने पहुंच कर घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

संभल की शाही जामा मस्जिद पर लगे साइन बोर्ड को बदल सकता है एएसआई

संभल। संभल की शाही जामा मस्जिद एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार चर्चा का विषय भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा भेजा गया एक नया साइन बोर्ड है जिसमें मस्जिद का नाम 'जुमा मस्जिद' लिखा गया है। उम्मीद है कि सत्यव्रत पुलिस चौकी में रखा नीले रंग का एएसआई का यह बोर्ड जल्द ही पुराने बोर्ड की जगह लगाया जाएगा। पुराने बोर्ड पर 'शाही जामा मस्जिद' लिखा हुआ है। एएसआई के वकील विष्णु शर्मा ने कहा कि मस्जिद के बाहर पहले एएसआई का एक बोर्ड लगा था, लेकिन कुछ व्यक्तियों ने कथित तौर पर इसे हटाकर 'शाही जामा मस्जिद' लिखा बोर्ड लगा दिया। नया बोर्ड एएसआई के दस्तावेजों में दर्ज नाम 'जुमा मस्जिद' के अनुसार बनाया गया है। शर्मा ने कहा कि मस्जिद परिसर के अंदर पहले से ही इसी नाम का एक नीला बोर्ड लगा हुआ है। एएसआई ने अभी तक इस बारे में कोई समयसीमा नहीं बताई कि बोर्ड कब तक लगाया जाएगा। पिछले साल 24 नवंबर को शाही मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान संभल में हिंसा भड़क गई थी। इस घटना में गोलीबारी के कारण चार लोगों की जान चली गई थी, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे।

फाइनेंस कर्मी की लूट के बाद गोली मारकर हत्या

सहारनपुर। सहारनपुर के सरसावा थाना क्षेत्र में फाइनेंस कर्मी की लूट के बाद गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार फाइनेंस कर्मी सोमवार देर रात अपने भाई के साथ रुपये से भरा बैग लेकर सहारनपुर की तरफ लौट रहा था। इसी दौरान बाइक सवार चार बदमाशों ने रास्ते में उन्हें रोक लिया। बदमाशों ने उनसे 5 लाख 92 हजार रुपये लूट लिए लेकिन तभी छीना झपटी में एक बदमाश के चेहरे से नकाब हट गया और फाइनेंस कर्मी ने उसे पहचान लिया, बदमाश का नाम लेते ही उसने फाइनेंस कर्मी को गोली मार दी और चारों बदमाश नगदी लूटकर फरार हो गए। फाइनेंस कर्मी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर एसएसपी रोहित सिंह सजवाण समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसएसपी ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। जल्द ही हत्यारों को गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि अभी मृतक का भाई कुछ बता पाने की हालत में नहीं है। इसलिए पहचान नहीं हो पाई है। सुबह दोबारा उससे पूछताछ की जाएगी।

धार्मिक स्थलों पर तेज आवाज वाले लाउडस्पीकर हटाने की कवायद तेज

झांसी। मंगलवार को पुलिस ने महानगर में धार्मिक स्थलों पर तेज आवाज़ करने वाले लाउड स्पीकर को हटाने व मानक के अनुसार उनकी आवाज कराने की मुहिम छेड़ दी। है। नवाबाद व कोतवाली थाना क्षेत्र के कई धर्मिक स्थलों से पुलिस ने लाउड स्पीकर उतरवाए तो कइयों को समझाते हुए उन्हें न्यायालय के मानकों की जानकारी दी।बताया कि हाईकोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार ही स्पीकर का उपयोग करें। गौरतलब है कि तेज आवाज में बजने वाले ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर रोक लगाने के लिए उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट पूर्व में ही निर्देश जारी कर चुका है। इसी नियम का पालन कराने के लिए झांसी पुलिस मंगलवार को सक्रिय नजर आई। एसएसपी सुधा सिंह के निर्देश के बाद नवाबाद थाने की पुलिस ने झांसी के कई धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर उनकी देखरेख करने वाले जिम्मेदारों से वार्ता करते हुए उन्हें न्यायालय के नियमों व मानकों की जानकारी दी।

सपा सांसद रामजीलाल सुमन के बयान पर हिन्दू संगठनों का लखनऊ में प्रदर्शन, पुलिस से झड़प

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद रामजी लाल सुमन के राणा सांगा को लेकर दिए गए विवादित बयान पर हिन्दू संगठन नाराज है। सांसद के खिलाफ कार्रवाई को लेकर मंगलवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा समेत प्रदेश के लगभग 36 हिंदू संगठनों के लोग 1090 चौराहे पर एकत्र हुए। इस चौराहे से महासंग्राम यात्रा अन्य चौराहों पर निकलनी थी।

पुलिस ने रास्ते में विरोध कर रहे लोगों को रोका, तो तीखी नोकझोंक हुई। मौके पर डीसीपी मध्य आशीष श्रीवास्तव , एडीसीपी मध्य मनीषा सिंह के साथ भारी पुलिस बल भी तैनात है। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र प्रताप सिंह के आहवान पर मंगलवार को यात्रा में 36 हिन्दू संगठन एकत्र हुए।

यात्रा 1090 चौराहे से होकर गांधी प्रतिमा की ओर चलने लगी। प्रदर्शनकारियों ने रामजी लाल सुमन और सपा पार्टी के मुखिया के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। कोई डिवाइडर पर चढ़कर प्रदर्शन कर रहा है तो कोई वाहन पर। महिलाएं हाथ में तलवार लेकर विरोध कर रही थी। प्रदर्शनकारी उग्र हो गये और पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़कर विधान भवन और मुख्यमंत्री आवास की ओर भागने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोका। इस दौरान पुलिस की प्रदर्शनकारियों की तीखी झड़प हुई। सुरक्षा की दृष्टि से तैनात पीएसी जवान और पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को बस में भरकर ईको गार्डन भेजना शुरू कर दिया।

डीसीपी मध्य आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है। प्रदर्शनकारियों को शांत कराया जा रहा है। इन्हें प्रदर्शन स्थल इको गार्डन भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस फोर्स तैनात है।

झुमका लेकर भागे 'जालसाज', तीन लाख की ठगी

मीरजापुर। मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे हलिया कस्बे में स्थित काली मंदिर के पास नारायण सोनार की आभूषण दुकान पर दो बाइक सवार उचक्के ग्राहक बनकर पहुंचे और लगभग 3 लाख रुपये मूल्य के आभूषण लेकर फरार हो गए। दुकान पर मौजूद महिला अर्चना देवी से आरोपियों ने पहले दो सोने के झुमके (लगभग 37 ग्राम) और एक चांदी का पायल (ढाई सौ ग्राम) दिखाने को कहा। जब महिला अंदर से और आभूषण लाने के लिए गई, तभी दोनों उचक्के पहले से तैयार खड़ी बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही हलिया पुलिस मौके पर पहुंची और दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने में जुट गई। पीड़ित नारायण सोनार ने बताया कि चोरी हुए आभूषणों की कुल कीमत लगभग 2 लाख 80 हजार रुपये (सोने के झुमके) और 20 हजार रुपये (चांदी का पायल) है। थानाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जल्द ही आरोपियों की पहचान कर ली जाएगी। समाचार लिखे जाने तक आरोपियों का कोई सुराग नहीं लग सका था।

एक देश एक चुनाव की योजना भी जल्द ही लागू की जाएगी : ए के शर्मा

जौनपुर। भाजपा के सक्रिय सदस्यता सम्मेलन में मंगलवार को जौनपुर पहुंचे उत्तर प्रदेश के ऊर्जा व नगर विकास मंत्री ए के शर्मा ने हिन्दुस्थान समाचार प्रतिनिधि से बात करते हुए समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा प्रहार किया।

मंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव रोज सुबह उठकर सरकार के खिलाफ नया मुद्दा ढूंढ़ते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि कोरोना महामारी के दौरान जब लोग जनसेवा में लगे थे, तब अखिलेश यादव मास्क पहनकर बंद कमरे में बैठे थे। एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर सपा प्रमुख के सवालों का जवाब देते हुए शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पहले ही वन नेशन वन पावर ग्रिड और वन नेशन वन राशन कार्ड जैसी योजनाएं लागू कर चुके हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि एक देश एक चुनाव की योजना भी जल्द ही लागू की जाएगी।

वक्फ संशोधन के मुद्दे पर मंत्री ने अखिलेश यादव की सुप्रीम कोर्ट जाने की घोषणा पर कटाक्ष किया। शर्मा ने कहा कि सभी को कोर्ट जाने का अधिकार है लेकिन सपा प्रमुख यह सब मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति के लिए कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव मुस्लिम समुदाय को डराकर वोट हासिल करना चाहते हैं। इससे पहले उन्होंने भाजपा के पुरोधा पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया।

तलाक पीड़ित महिला ने सीएम योगी से न्याय की लगाई गुहार

▶▶ पीड़िता पहुंची पुलिस कप्तान की चौखट पर, कहा-सीएम योगी से है न्याय की उम्मीद

झांसी। सीपरी बाजार क्षेत्र में डाक द्वारा तीन तलाक का मामला सामने आया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कार्यालय अपनी मासूम बच्ची के साथ पहुंची पीड़ित मुस्लिम महिला ने बताया कि उसके पति ने उसे स्पीड पोस्ट से तीन तलाक दे दिया। कहा कि पति ने महज इसलिए तलाक दे दिया कि उसको बेटा पैदा नहीं हुआ था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नाम दिए शिकायती पत्र में सीपरी बाजार के सिद्धेश्वर नगर आईटीआई क्षेत्र निवासी शबीना ने बताया कि उसकी शादी 2 फरवरी 2018 को दिलशाद से हुई थी। इस शादी से एक बेटी पैदा हुई। उस बेटी की उम्र अब 13 महीने की है। शबीना ने बताया कि बेटी पैदा होने के बाद उसके शौहर उससे झगड़ा करने लगे। उसका कहना था कि वह बेटा पैदा नहीं कर सकती है। इसलिए उसके साथ नहीं रह सकता। आरोप है कि कि पति ने उससे 15 लाख रुपये लाने को भी कहा। सास-ससुर भी पति का सहयोग कर रहे हैं। उसने बताया कि तीन दिन पहले पति ने स्पीड पोस्ट से तलाकनामा भेज दिया। अब वह न्याय के लिए पुलिस कप्तान की चौखट पर आई है।

शबीना ने कहा कि उसे अब केवल प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय मिलने की उम्मीद है। क्योंकि तीन तलाक के खिलाफ वही हम महिलाओं का सहयोग कर सकते हैं। उसने कहा कि वह अपनी बच्ची के साथ अपने पति के घर में ही रहना चाहती है।

संभल की जामा मस्जिद मामले में सुनवाई टली

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के संभल स्थित जामा मस्जिद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मंगलवार को सुनवाई 28 अप्रैल तक के लिए टाल दी। मंगलवार को जब इस मामले में सुनवाई शुरू हुई, अदालत को बताया गया कि आज इस मामले में उच्चतम न्यायालय में सुनवाई होनी है। इस पर अदालत ने सुनवाई 28 अप्रैल तक के लिए टाल दी। इससे पूर्व, 12 मार्च, 2024 को इस मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने एएसआई को मस्जिद की पुताई कराने और बाहरी दीवारों पर सजावटी लाइट लगाने का निर्देश दिया था। मस्जिद कमेटी के वकील एसएफए नकवी ने कहा कि कमेटी ने संभल की अदालत द्वारा पारित सर्वेक्षण के आदेश की पोषणीयता को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी है।

वर्चस्व की जंग में किसान नेता सहित तीन लोगों की गोली मारकर हत्या

फतेहपुर। जिले में मंगलवार को वर्चस्व की लड़ाई के चलते दिनदहाड़े तीन लोगों को गोली मार कर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना पर पुलिस बल के साथ पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल तत्काल मौके पर पहुंचे। घटना की जांच पड़ताल करते हुए पुलिस तीन हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है। हथगांव थाना क्षेत्र के अखिरी गांव में किसान पप्पू सिंह (50), पुत्र अभय सिंह (22) व छोटे भाई रिंकू सिंह (40) की हत्या कर दी गई।

ग्रामीणों ने बताया कि मृतक तीनों व्यक्ति एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर तहिरापुर चौराहे के पास जैसे ही पहुंचे कि तभी ट्रैक्टर पर सवार लोगों ने उन्हें घेरकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोलियों की आवाज से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। पप्पू सिंह की मां राम दुलारी वर्तमान में गांव की प्रधान हैं, जबकि पप्पू सिंह स्वयं गांव की राजनीति में सक्रिय थे। घटना की जानकारी पर मौके पर पहुंची पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना के पीछे गांव के ही पूर्व प्रधान मुन्नू सिंह और उसके बेटे का हाथ हैं। आपसी रंजिश और वर्चस्व की लड़ाई इस घटना की बड़ी वजह सामने आई है। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने बताया कि घटना की सूचना पर तत्काल पुलिस बल मौके पर पहुंच कर घटना की जांच करते हुए तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

घटना की सूचना मिलते ही हथगांव, सुल्तानपुर घोष व हुसेनगंज थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। स्थिति को देखते हुए गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वहीं नामजद तीन हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

यूपी में पहली बार अप्रैल के पहले सप्ताह में गेंहू खरीद का आंकड़ा पहुंचा एक लाख मीट्रिक टन के पार

▶▶ मोबाइल क्रय केंद्रों के माध्यम से गांवों में जाकर किसानों से हुई खरीद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पहली बार अप्रैल के पहले सप्ताह में ही एक लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की खरीद हुई है। इस वर्ष मोबाइल केंद्र के माध्यम से गांवों में जाकर किसानों से गेहूं खरीद सुनिश्चित जा रही है। अब तक 20409 किसानों से गेहूं खरीद हो चुकी है। वहीं कुल 3.56 लाख से अधिक किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए पंजीकरण भी करा लिया है। गेहूं खरीद 15 जून तक चलेगी।

गेहूं की अच्छी ख़रीद हो, इसके लिए कटाई के पहले से ही गांव-गांव जाकर किसानों से संपर्क साधा गया और उन्हें सरकारी क्रय केंद्र पर बिक्री के लिए प्रेरित किया गया। पंजीकरण एवं सत्यापन की व्यवस्था में व्यापक सुधार भी किया गया। खाद्य व रसद विभाग पहली बार मोबाइल क्रय केंद्रों के माध्यम से किसान के खेत तक पहुँचा। एक तरफ़ कटाई चल रही है तो वहीं गेहूं मौके पर तौला जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अवकाश के दिनों में भी केन्द्र खुले हैं, जिससे गेहूं बेचना अन्नदाता किसानों के लिए काफी आसान हो गया है। प्रदेश सरकार के

प्रवक्ता ने बताया कि योगी सरकार ने व्यवस्था की है कि पंजीकृत किसान सत्यापन के बिना 100 कुंतल तक गेहूं बेच सकते हैं। सत्यापन के बाद कुल उत्पादकता के आधार पर उत्पादन क्षमता के तीन गुना तक गेहूं बेचने की सुविधा है, जिससे सत्यापन अथवा अभिलेखों में त्रुटि के कारण किसान को उत्पादित गेहूं बेचने में असुविधा न हो। मुख्यमंत्री के निर्देश पर क्रय केंद्रों पर बैठने, शुद्ध पेयजल आदि की भी समुचित व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान कर दिए जाए। गेहूं की बिक्री के लिए पहली मार्च से पंजीकरण प्रारंभ हो चुका है। अब तक प्रदेश के 3.56 लाख से अधिक किसानों ने पंजीकरण करा लिया है।

गेहूं की बिक्री के लिए किसानों को खाद्य व रसद विभाग के पोर्टल fcs.up.gov.in या विभाग के मोबाइल ऐप UP KISHAN MITRA पर पंजीकरण-नवीनीकरण कराना अनिवार्य है। विभाग ने किसानों से अनुरोध किया है कि गेहूं को साफ कर अच्छी तरह से सुखाकर ही क्रय केंद्र पर बिक्री के लिए लेकर आएं। खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक क्रय केंद्रों पर गेहूं खरीद प्रतिदिन सुबह 8 से रात्रि 8 बजे तक हो रही है। किसी भी विषम परिस्थितियों के लिए खाद्य व रसद विभाग ने टोल फ्री नंबर 18001800150 जारी किया है। समस्या के समाधान के लिए किसान जिला खाद्य विपणन अधिकारी या तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी या ब्लॉक के विपणन अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। केंद्र सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए 2425 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया है। पिछले वर्ष यह मूल्य 2275 रुपये प्रति कुंतल था।

खाद्य विभाग समेत आठ क्रय एजेंसियों के द्वारा कुल 5780 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। किसानों के आधार लिंक खाते में 48 घंटे के अंदर फसली मूल्य भेजने की व्यवस्था बनाई गयी है। उन्होंने बताया कि योगी सरकार में 2017-18 से 2024-25 के बीच 233.99 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई। इस दौरान 49,69,576 किसानों को 43424.44 करोड़ रुपये भुगतान भी किया गया। वहीं 2012 से 2017 के बीच बिचौलियों का बोलबाला रहा। इस दौरान सरकार महज 94.38 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद हो सकी और किसानों को 12,808 करोड़ रुपये का ही भुगतान किया गया।

गेहूं की खड़ी फसल में लगी आग 26 बीघा फसल जलकर राख

फतेहपुर। गेहूं की पकी खड़ी फसल में अज्ञात कारणों से आग लग जाने से आधा दर्जन किसानों की लगभग 26 बीघा खड़ी फसल जल कर राख हो गई। ग्रामीणों द्वारा एक घण्टे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझने के डेढ़ घंटे बाद अग्नि शमन दल की गाड़ी पहुँच सकी। थाना क्षेत्र के गांव बंथरा एवं चन्दीपुर के समीप दोपहर एक बजे के करीब खेतों मे गेहूं की तैयार खड़ी फसल में अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई जिसमें बंथरा गांव के राजेश रामबाबू राम आसरे , देवकरन , कमल, राम नारायन , रणधीर आदि किसानों की करीब 26 बीघा गेहूं की तैयार फसल आग की चपेट में आकर धू - धू कर जलने लगी। आग की लपटें देखकर आस पास खेतों में काम कर रहे बंथरा सहित चंदीपुर गांव के ग्रामीण मौके पर पहुंच कर थाना पुलिस व फायर बिग्रेड को सूचना दी। दोनों गांवों के ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया अग्निकांड की सूचना के करीब डेढ़ घंटे बाद मौके पर फायर बिग्रेड बिन्दकी की गाड़ी पहुंची। तब तक ग्रामीणों द्वारा आग पर नियंत्रण पा लिया गया था। तहसीलदार अचिलेश सिंह व हल्का लेखपाल शुभम सिंह ने मौके पर पहुंचकर आग से हुऐ नुकसान का मौका मुआयना किया। तहसीलदार अचिलेश सिंह ने बताया कि करीब बीस बीघा गेहूं की फसल जली है आग से नुकसान हुऐ किसानों के आनलाइन फार्म भरवाए गये हैं किसानों के नुकसान का हरसंभव मुआवजा दिलाने का प्रयास किया जायेगा।

मुद्रा ऋण असंख्य लोगों को अपने उद्यमशीलता कौशल का प्रदर्शन करने में बना रहा सक्षम : मोदी

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि प्रत्येक मुद्रा ऋण अपने साथ सम्मान, स्वाभिमान और अवसर लेकर आता है। वित्त समावेश के अलावा इस योजना ने सामाजिक समावेश व आर्थिक स्वतंत्रता भी सुनिश्चित की है।
- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुद्रा योजना में सबसे अधिक महिलाएं आगे आई हैं। महिलाओं ने सबसे अधिक आवेदन किए, सबसे अधिक ऋण हासिल किए और सबसे तेजी से इन ऋणों का भुगतान भी किया।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि मुद्रा योजना के तहत 33 लाख करोड़ रुपये से अधिक के गारंटी-मुक्त ऋण स्वीकृत किए गए और इससे असंख्य लोगों को अपने उद्यमशीलता कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिला है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की 10वीं वर्षगांठ पर अपने आवास पर इसके चुनिंदा लाभार्थियों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि इससे देश के युवाओं में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने में मदद मिली है। उन्हें नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वाला बनने का आत्मविश्वास मिला है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ अप्रैल 2015 को सदस्य ऋण संस्थानों के माध्यम से गारंटी-मुक्त संस्थागत ऋण उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह विशेष रूप से उत्साहजनक है कि मुद्रा लाभार्थियों में से आधे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग समुदायों से हैं और 70 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी महिलाएं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि प्रत्येक मुद्रा ऋण अपने साथ सम्मान, स्वाभिमान और अवसर लेकर आता है। वित्त समावेश के अलावा इस योजना ने सामाजिक समावेश व आर्थिक स्वतंत्रता भी सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना में सबसे अधिक महिलाएं आगे आई हैं। महिलाओं ने सबसे अधिक आवेदन किए, सबसे अधिक ऋण हासिल किए और सबसे तेजी से इन ऋणों का भुगतान भी किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाभार्थियों को यह भी आश्वासन दिया कि सरकार इस योजना की समीक्षा करेगी और इसे और बेहतर बनाने के लिए कदम उठाएगी।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सरकार एक मजबूत परिवेश सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी, जहां प्रत्येक महत्वाकांक्षी उद्यमी की ऋण तक पहुंच होगी जिससे उसे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत सदस्य ऋण देने वाली संस्थाओं (एमएलआई) जैसे अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी), क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी), लघु वित्त बैंक (एसएफबी), गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) और लघु वित्त संस्थान (एमएफआई) आदि द्वारा 20 लाख रुपये तक के गारंटी-मुक्त ऋण दिए जाते हैं। ये ऋण विनिर्माण, व्यापार और सेवा क्षेत्रों में आय-उत्पादक गतिविधियों और कृषि से जुड़ी गतिविधियों के लिए दिए जाते हैं।

यह योजना छोटे व्यवसायों को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई थी और बैंकों को तीन श्रेणियों शिशु (50,000 रुपये तक), किशोर (50,000 रुपये से पांच लाख रुपये के बीच) और तरुण (20 लाख रुपये) के तहत 20 लाख रुपये तक के गारंटी-मुक्त ऋण प्रदान करने को कहा गया।

अमेरिकी शुल्क के बीच भारत की घरेलू मांग प्रमुख आकर्षण का केंद्र: निर्मला सीतारमण

लंदन। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी शुल्क के बीच भारत की घरेलू मांग प्रमुख आकर्षण का केंद्र है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था और घरेलू मांग की मजबूती भारत को वृद्धि का इंजन बनाये रखेगी। सीतारमण ने लंदन में भारतीय उच्चायोग में '2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के भारत के प्रयास के लिए अवसर और चुनौतियां' विषय पर एक संवाद में कहा कि अर्थव्यवस्था वैश्विक चुनौतियों से निपट रही है और घरेलू दक्षता तथा प्रतिस्पर्धी क्षमता का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है।

उन्होंने कहा कि दुनिया ने पिछले कई वर्षों से वृद्धि में नरमी देखी है। पहले, लंबे समय तक कम ब्याज की स्थिति थी और अब यह लंबे समय तक कम वृद्धि की स्थिति होने जा रही है और यह किसी के लिए भी खुशखबरी नहीं है। सीतारमण ने कहा कि भारत ने पिछले पांच साल से लगातार अपनी सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का दर्जा बरकरार रखा है और हमें लगता है कि यह गति थोड़ी धीमी हो सकती है, लेकिन फिर भी भारत ही उस वृद्धि को बनाए रखेगा क्योंकि हमारी वृद्धि घरेलू स्तर पर मौजूद खपत के कारण संतुलित है। यह वैश्विक मानक वाले उत्पादों की मांग द्वारा समर्थित है और यही कारण है कि 1990 के दशक से वैश्वीकरण ने भारत को कई अवसर दिये हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका, भारत का प्रमुख व्यापार भागीदार है। इसलिए, ऐसे समय में जब व्यापार शुल्क से व्यापार प्रभावित होने जा रहा है, हमें अभी भी यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत में घरेलू मांग में जो ताकत है, वह वैश्विक आपूर्ति को आकर्षित करने वाले एक बड़े केंद्र के रूप में बनी रहे और उसे बढ़ावा मिले।

सरकार ने मौजूदा विदेशी निवेशकों को बोनस शेयर जारी करने पर जारी किया स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। सरकार ने स्पष्ट किया कि ऐसे क्षेत्र में काम कर रही कोई भी भारतीय कंपनी जहां प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रतिबंधित है अपने पहले से मौजूद विदेशी शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी कर सकती है, बशर्ते इससे शेयरधारिता में कोई बदलाव न आए। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने कहा कि बोनस शेयर जारी करते समय लागू नियमों, कानूनों, विनियमों और दिशानिर्देशों का पालन किया जाना चाहिए।

डीपीआईआईटी के स्पष्टीकरण (जिसे एफडीआई नीति में शामिल किया गया है) के अनुसार कि एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) के लिए निषिद्ध क्षेत्र/गतिविधि में काम कर रहीं भारतीय कंपनी को अपने पहले से मौजूद अनिवासी शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी करने की अनुमति है, बशर्ते कि बोनस शेयर जारी करने के बाद अनिवासी शेयरधारक के शेयरधारिता 'पैटर्न' में कोई बदलाव न हो। इसमें कहा गया है कि यह स्पष्टीकरण एफडीआई के लिए प्रतिबंधित क्षेत्रों में काम कर रहीं भारतीय कंपनियों द्वारा मौजूदा विदेशी शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी करने की अनुमति के संबंध में है।

देश में अधिकतर क्षेत्रों में स्वचालित मार्ग से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति है, जबकि दूरसंचार, मीडिया, दवा और बीमा जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेशकों के लिए सरकार की मंजूरी की आवश्यकता होती है। हालांकि कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में विदेशी निवेश पर प्रतिबंध भी है। सरकारी अनुमोदन मार्ग के तहत विदेशी निवेशक को संबंधित मंत्रालय या विभाग की पूर्व अनुमति लेनी होती है।

वहीं स्वचालित मार्ग के तहत विदेशी निवेशक को निवेश करने के बाद केवल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को सूचित करना होता है। वर्तमान में लॉटरी, जुआ व सट्टा, चिट फंड, निधि कंपनी, रियल एस्टेट कारोबार और तंबाकू से बने सिगार, सिगारिलो व सिगरेट के विनिर्माण जैसे कुछ क्षेत्रों में एफडीआई प्रतिबंधित है। एफडीआई महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत को अपने बुनियादी ढांचा क्षेत्र में वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए आने वाले वर्षों में भारी निवेश की आवश्यकता होगी। स्वस्थ विदेशी प्रवाह भुगतान संतुलन और रुपये के मूल्य को बनाए रखने में भी मदद करता है।

निवेशकों के संरक्षण के लिए 1600 फोन नंबर श्रृंखला का उपयोग करें: सेबी

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने निवेशक संरक्षण को बढ़ावा देने और वित्तीय धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के इरादे से मंगलवार को सभी विनियमित एवं पंजीकृत इकाइयों को अपने मौजूदा ग्राहकों से संपर्क के लिए '1600' फोन नंबर श्रृंखला का ही इस्तेमाल करने का निर्देश दिया। इस निर्देश के जरिये सेबी निवेशकों की सुरक्षा को बढ़ाना चाहता है। अक्सर धोखाधड़ी करने वाले संस्थान अपनी पहचान छुपाने के लिए सामान्य 10 अंक वाले नंबर का इस्तेमाल करते हैं।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बयान में कहा कि '1600' नंबर श्रृंखला को अपनाने से निवेशक आसानी से यह पहचान सकेंगे कि उनकी कॉल या संदेश सेबी-विनियमित संस्थाओं से आ रहा है। ऐसा होने से निवेशकों के वित्तीय घोटालों में फंसने की संभावना कम हो जाएगी। सेबी ने कहा कि सभी विनियमित/पंजीकृत इकाइयों को सलाह दी जाती है कि वे विशेष रूप से अपने मौजूदा ग्राहकों के लिए सेवा और लेनदेन संबंधी फोन कॉल के लिए केवल '1600' फोन नंबर श्रृंखला का इस्तेमाल करें।

पूंजी बाजार नियामक ने निवेशकों से सतर्क रहने और किसी भी अवांछित वाणिज्यिक संचार या संदिग्ध धोखाधड़ी गतिविधियों की सूचना देने का आग्रह किया है। स्पैम या यूसीसी कॉल की स्थिति में निवेशक अपने दूरसंचार सेवा प्रदाता के ऐप या वेबसाइट का उपयोग कर 'डू नॉट डिस्टर्ब' (डीएनडी) की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। संदिग्ध धोखाधड़ी के मामलों में निवेशकों को दूरसंचार विभाग के 'चक्षु' पोर्टल पर मामले की जानकारी देने की सलाह दी जाती है। धोखाधड़ी का शिकार हो जाने पर साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 या आधिकारिक वेबसाइट साइबरक्राइम डॉट गोव डॉट इन के माध्यम से सूचित किया जाना चाहिए।

'एक राज्य-एक आरआरबी' एक मई से प्रभावी 15 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के एकीकरण को मंजूरी

नई दिल्ली। एक मई से देश के हर राज्य में एक ही क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) मौजूद होगा। इस प्रस्ताव पर अमल के लिए वित्त मंत्रालय ने 11 राज्यों में 15 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के एकीकरण से संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के एकीकरण का यह चौथा चरण होगा जिसके पूरा होते ही आरआरबी की संख्या मौजूदा के 43 से घटकर 28 रह जाएगी। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक, देश के 11 राज्यों- आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा एवं राजस्थान में मौजूद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का एक इकाई में विलय किया जाएगा। इस तरह 'एक राज्य-एक आरआरबी' के लक्ष्य को साकार किया जा सकेगा।

अधिसूचना के मुताबिक, इन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के विलय की प्रभावी तिथि एक मई, 2025 तय की गई है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 की धारा 23ए(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुरूप ये आरआरबी एक एकल इकाई में एकीकृत हो जाएंगे। इसी क्रम में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, इंडियन बैंक और भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित चैतन्य गोदावरी ग्रामीण बैंक, आंध्र प्रगति ग्रामीण बैंक, सप्तगिरि ग्रामीण बैंक और आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक को आंध्र प्रदेश ग्रामीण बैंक के रूप में मिला दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में मौजूद तीन-तीन आरआरबी का भी एकल इकाई में विलय किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में मौजूद बड़ौदा यू.पी. बैंक, आर्यावर्त बैंक और प्रथमा यू.पी. ग्रामीण बैंक को उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक नाम की इकाई में मिला दिया गया है, जिसका मुख्यालय बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रायोजन के तहत लखनऊ में होगा। पश्चिम बंगाल में संचालित बंगीय ग्रामीण विकास, पश्चिम बंग ग्रामीण बैंक और उत्तरबंग क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक को पश्चिम बंगाल ग्रामीण बैंक में मिला दिया जाएगा। इसके अलावा देश के आठ राज्यों- बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान में दो-दो आरआरबी को एक में मिलाया जाएगा। दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक और उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक को मिलाकर बिहार ग्रामीण बैंक बनेगा जिसका मुख्यालय पटना में होगा।

गुजरात में बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक और सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक को मिलाकर गुजरात ग्रामीण बैंक बनाया जाएगा। अधिसूचना के मुताबिक, सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के पास 2,000 करोड़ रुपये की अधिकृत पूंजी होगी। एकीकरण के पहले इन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में सरकार ने पूंजी भी डाली है। वित्त वर्ष 2021-22 में केंद्र ने दो साल की अवधि में अपने हिस्से के रूप में 5,445 करोड़ रुपये आरआरबी में डालने का फैसला किया था। वित्त वर्ष 2023-24 में आरआरबी का प्रदर्शन कई मापदंडों पर ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गया।

आरआरबी ने उस साल 7,571 करोड़ रुपये का अबतक का सबसे अधिक एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया और उनका एकीकृत पूंजी पर्याप्तता अनुपात 14.2 प्रतिशत के सर्वकालिक उच्चस्तर पर था। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2004-05 में आरआरबी के संरचनात्मक एकीकरण की पहल की थी। इस सिलसिले में अबतक संचालित तीन चरणों में ऐसे संस्थानों की संख्या 2020-21 तक 196 से घटकर 43 रह गई थी। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का गठन आरआरबी अधिनियम, 1976 के तहत किया गया था। इनके गठन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे किसानों, कृषि मजदूरों और कारीगरों को ऋण और अन्य सुविधाएं प्रदान करना था।

सोना 200 रुपये टूटकर 91,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर, चांदी में उछाल

नई दिल्ली। स्थानीय बाजारों में कमजोर मांग के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 200 रुपये गिरकर 91,250 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी है। सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 200 रुपये गिरकर 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। पिछले कारोबार में यह 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, पिछले पांच सत्रों की गिरावट के बाद चांदी की कीमतों में उछाल आया और यह 200 रुपये बढ़कर 92,700 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जबकि इसका पिछला बंद भाव 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम था। इस बीच, विदेशी बाजारों में हाजिर सोना 0.82 प्रतिशत बढ़कर 3,007.60 डॉलर प्रति औंस हो गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक (जिंस और मुद्रा), जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''रुपये की कमजोरी ने तेजी को और बढ़ाया, जिससे सोने में तेजी के साथ सकारात्मक कारोबार हुआ। डॉलर इंडेक्स के 102 अंक के आसपास रहने से वैश्विक धारणा सतर्क रही, जिससे सर्राफा कीमतों पर कोई खास असर नहीं पड़ा।

ईपीएफओ सदस्य अब चेहरा सत्यापन से बना सकते हैं अपना यूएएन: मांडविया

नई दिल्ली। सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े कर्मचारी अब चेहरा सत्यापन के जरिये यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) और संबंधित सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

मांडविया ने बिहार के छह जिलों- अररिया, सहरसा, औरंगाबाद, बांका, पूर्वी चंपारण और गोपालगंज को कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के तहत पूर्ण रूप से अधिसूचित करने की भी घोषणा की। इससे ईएसआईसी की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के दायरे में लगभग 24,000 अतिरिक्त बीमित कर्मचारी आ जाएंगे। मांडविया ने संवाददाताओं से कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने चेहरे के सत्यापन के जरिये भविष्य निधि का यूएएन आवंटित करने और उसे सक्रिय करने के लिए उन्नत डिजिटल सेवाएं शुरू की हैं। यह ईपीएफओ के करोड़ों सदस्यों के लिए संपर्क-रहित, सुरक्षित और पूरी तरह से डिजिटल सेवा वितरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि अब कर्मचारी 'उमंग' मोबाइल ऐप की मदद से आधार चेहरा सत्यापन प्रौद्योगिकी (एफएटी) का उपयोग करके सीधे अपना यूएएन सृजित कर सकते हैं। कोई भी नियोक्ता किसी भी नए कर्मचारी के लिए आधार एफएटी का उपयोग करके यूएएन बनाने के लिए उमंग ऐप का इस्तेमाल कर सकता है। श्रम मंत्री ने कहा कि जिन सदस्यों के पास पहले से ही यूएएन है लेकिन उन्होंने अभी तक इसे सक्रिय नहीं किया है, वे अब आसानी से उमंग ऐप के माध्यम से अपना यूएएन सक्रिय कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में ईपीएफओ पेंशनभोगियों को उनके दरवाजे पर सेवाएं देने के लिए 'माई भारत' के सहयोग में चेहरा सत्यापन प्रौद्योगिकी से 'जीवन प्रमाण' मुहैया कराते हुए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र को भी बढ़ावा देगा।

वित्त वर्ष 2024-25 में ईपीएफओ ने 1.26 करोड़ यूएएन आवंटित किए। हालांकि, इनमें से केवल 44 लाख यूएएन ही सदस्यों द्वारा सक्रिय किए गए थे। केंद्रीय मंत्री ने बिहार में ईएसआईसी के विस्तार पर कहा कि फिलहाल बिहार के कुल 38 में से 27 जिले पूरी तरह से अधिसूचित हैं और 11 जिले आंशिक रूप से अधिसूचित हैं। छह जिलों के बारे में अधिसूचना जारी होने के बाद यह संख्या बढ़कर 33 जिलों की हो जाएगी।

पाकिस्तान ने की खनिज क्षेत्र पर शिखर सम्मेलन की मेजबानी, अरबों डॉलर के निवेश पर नजर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अपनी खानों व खनिज क्षेत्र में निवेश के लिए अमेरिका, सऊदी अरब और चीन के प्रतिनिधिमंडलों के लिए मंगलवार को एक शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। इस सम्मेलन के दौरान अधिकारियों को अरबों डॉलर का निवेश मिलने की उम्मीद है। इस आयोजन का उद्देश्य पाकिस्तान के तांबा, सोना, लिथियम और अन्य खनिजों के विशाल भंडार को दुनिया के सामने लाना। साथ ही लंबे समय से उपेक्षित इस क्षेत्र में निवेश के अवसरों को बढ़ावा देना है। पाकिस्तान खनिज निवेश फोरम की शुरुआत उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने की। उन्होंने बयान में कहा कि पाकिस्तान रणनीतिक रूप से वैश्विक खनन महाशक्ति के रूप में उभरने की स्थिति में है। डार ने कहा कि देश के पास दुनिया के सबसे बड़े अज्ञात भंडारों में से एक है। वह संभावित निवेशकों को प्रोत्साहन भी दे रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और देश के शक्तिशाली सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

रुपया 50 पैसे टूटकर 86.26 प्रति डॉलर पर, तीन माह में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट

मुंबई। लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 50 पैसे लुढ़ककर 86.26 (अस्थायी) पर बंद हुआ। वैश्विक व्यापार युद्ध के कारण आर्थिक मंदी की आशंका के बीच करीब तीन महीने में यह रुपये में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में कुछ सुधार और विदेशी पूंजी की निकासी जारी रहने से भी कारोबारी धारणा प्रभावित हुई।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, अमेरिकी प्रशासन द्वारा अमेरिकी उत्पादों पर चीन के 34 प्रतिशत आयात शुल्क के जवाब में 50 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क लगाने की नई धमकी के बाद वैश्विक बाजार अत्यधिक अस्थिरता का सामना कर रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.89 पर खुला और डॉलर के मुकाबले 85.82 के उच्चस्तर और 86.29 के निचले स्तर के बीच झूलता रहा। अंत में रुपया 86.26 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से 50 पैसे की गिरावट है। इससे पहले इस वर्ष 13 जनवरी को एक सत्र में इतनी बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी, जब इसमें 66 पैसे की गिरावट आई थी। सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 32 पैसे की गिरावट के साथ 85.76 पर बंद हुआ, जबकि शुक्रवार को पिछले सत्र में इसमें 14 पैसे की गिरावट आई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट देखी गई, जिसका मुख्य कारण आयातकों की मजबूत डॉलर मांग और भारतीय शेयर बाजारों से विदेशी कोषों की सतत निकासी है। उन्होंने कहा कि परिणामस्वरूप, रुपया इस महीने अपने एशियाई समकक्षों के बीच सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा के रूप में उभरा है। रुपये के लिए बाजार की धारणा नकारात्मक बनी हुई है, खासकर अमेरिका द्वारा जवाबी शुल्क लगाए जाने के बाद, जिसके कारण 21 मार्च के बाद से भारतीय मुद्रा अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है।

घरेलू वृहद आर्थिक मोर्चे पर, निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक के नीतिगत दर निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने सोमवार को प्रमुख ब्याज दरों पर अपने तीन दिवसीय विचार-विमर्श की शुरुआत की। निर्णय की घोषणा बुधवार को की जाएगी। इस बीच, दुनिया की छह अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती का आकलन करने वाला, डॉलर इंडेक्स 0.06 प्रतिशत बढ़कर 103.03 पर कारोबार कर रहा था।

वेदांता को 20 अरब डॉलर के विस्तार के लिए वैश्विक साझेदार की तलाश

नई दिल्ली। खनन कंपनी वेदांता लिमिटेड विभिन्न क्षेत्रों में अपनी 20 अरब डॉलर की विस्तार परियोजनाओं के लिए वैश्विक साझेदार की तलाश कर रही है। कंपनी बयान के अनुसार, यह कदम वेदांता की रणनीतिक योजना के अनुरूप है जिसके तहत अगले तीन वर्षों में वह अपने परिचालन का महत्वपूर्ण विस्तार करेगी। इसके तहत कंपनी अपने कारोबार का चार इकाइयों वेदांता एल्युमीनियम, तेल एवं गैस, बिजली और लोहा एवं इस्पात में पुनर्गठन करेगी। पेशेवर मंच लिंक्डइन पर कंपनी के आधिकारिक पृष्ठ पर साझा की गई जानकारी के अनुसार , कि हम एक अनुभवी वैश्विक इंजीनियरिंग कंपनी की तलाश कर रहे हैं जिसे इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण प्रबंधन में अनुभव हो और जो हमारी परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए हमारे लिए एक विस्तारित कार्यालय के रूप में कार्य कर सके। कंपनी ने कहा कि वह अगले तीन वर्षों में धातु, खनन और हाइड्रो कार्बन क्षेत्र में विकास परियोजनाओं पर 20 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करेगी।

शेयर बाजार में तीन दिन से जारी गिरावट थमी, सेंसेक्स 1,089 अंक चढ़ा

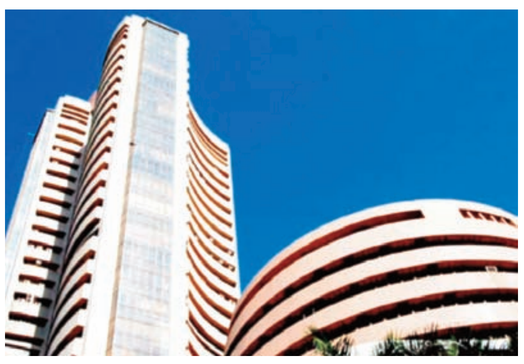

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को पिछले तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 1,089 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई के निफ्टी में 374 अंक की बढ़त रही। एशिया और यूरोप के बाजारों में मजबूती के बीच निचले स्तर पर चौतरफा लिवाली से बाजार बढ़त में रहा। एक दिन पहले बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में 10 महीने की सबसे बड़ी गिरावट आई थी। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,089.18 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74,227.08 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,721.49 अंक तक चढ़ गया था।

सेंसेक्स के 29 शेयर लाभ में रहे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 374.25 अंक यानी 1.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,535.85 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 535.6 अंक तक चढ़ गया था। अमेरिका के जवाबी शुल्क को लेकर चिंता के बीच सेंसेक्स सोमवार को 2,226.79 अंक यानी 2.95 प्रतिशत लुढ़क गया था जबकि निफ्टी में 742.85 अंक यानी 3.24 प्रतिशत की गिरावट आई थी। यह पिछले 10 महीने में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट थी। मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रशांत तापसे ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर सकारात्मक रुख से स्थानीय मानक सूचकांकों में अच्छी तेजी आई। अमेरिकी शुल्क को लेकर चिंता कुछ हद तक इस बात से दूर हुई है कि ज्यादातर देश चुनौतियों से पार पाने के लिए उपाय तलाशेंगे। भारत की अर्थव्यवस्था खपत आधारित है, ऐसे में अमेरिकी शुल्क का अन्य देशों की तुलना में भारत की अर्थव्यवस्था पर खास असर नहीं होगा।

पावर ग्रिड को छोड़कर सेंसेक्स में शामिल सभी कंपनियों के शेयर बढ़त में रहे। टाइटन, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स और जोमैटो में सबसे ज्यादा तेजी रही। दुनिया के अन्य बाजारों में भी सोमवार की गिरावट के बाद तेजी देखने को मिली। एशिया के बाजारों में जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी सकारात्मक दायरे में रहे। निक्की 225 में छह प्रतिशत की तेजी आई। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजारों में ज्यादातर में सोमवार को गिरावट रही थी।

छोटी कंपनियों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 2.18 प्रतिशत उछला जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप 1.87 प्रतिशत की बढ़त में रहा। बीएसई में 3,093 शेयर लाभ में रहे, जबकि 871 में गिरावट रही। वहीं 119 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। जियोजीत इनवेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि कई देशों के अमेरिका के साथ द्विपक्षीय समझौते को लेकर रुचि के बीच वैश्विक स्तर पर सकारात्मक रुख के साथ घरेलू बाजार में तेजी लौटी।' शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 9,040.01 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 12,122.45 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

फिल्म 'स्त्री-2' के निर्देशक अमर कौशिक ने कान पकड़कर श्रद्धा कपूर से मांगी माफी

2024 में रिलीज हुई फिल्म 'स्त्री-2' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट रही। फिल्म 'स्त्री-2' का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। श्रद्धा कपूर ने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई। अपनी सरल और खूबसूरत कहानी और कलाकारों के दमदार अभिनय के कारण सभी को 'स्त्री-2' बहुत पसंद आई। 'स्त्री-2' के डायरेक्टर अमर कौशिक और श्रद्धा कपूर हाल ही में मुंबई में मैडॉक फिल्म्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में एकत्रित हुए। उस समय अमर कौशिक ने कान पकड़कर श्रद्धा से माफी मांगी। जब श्रद्धा कपूर और अमर कौशिक हाल ही में मैडॉक फिल्म्स के एक इवेंट में पहुंचे, तो वहां दोनों की केमिस्ट्री ने सभी का ध्यान खींचा। अमर थोड़े मज़ाकिया मूड में थे और श्रद्धा भी पूरे फॉर्म में थीं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, ₹वह इस समय बहुत मजाक कर रहा है और पपराज़ी भी हंस पड़े। इसी दौरान श्रद्धा की चुटकी और ट्रोलिंग के दबाव के बीच अमर कौशिक ने कान पकड़कर माफी मांगी, जो एक फनी मोमेंट बन गया। श्रद्धा ने भी मौके का पूरा फायदा उठाया और उन्हें हल्के अंदाज़ में थोड़ा स्पिन दे दिया। ये पूरा वाकया कैमरों में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर वायरल भी हो गया, जिससे साबित हुआ कि श्रद्धा और अमर की दोस्ती काफी मजबूत है और वे प्रोफेशनल तनाव को भी ह्यूमर से संभाल लेते हैं। कुछ दिन पहले अमर ने एक साक्षात्कार दिया था। इसमें अमर ने बताया कि श्रद्धा को फिल्म 'स्त्री' के लिए कैसे चुना गया। अमर ने कहा था, ₹श्रद्धा और मैं एक बार विमान में यात्रा कर रहे थे। श्रद्धा जिस तरह से मुस्कुराती है, तो बिल्कुल स्त्री जैसी लगती है, जैसे कोई चुड़ैल।₹ इस बयान के लिए श्रद्धा के फैन्स ने अमर को बुरी तरह ट्रोल किया था। श्रद्धा ने अमर के इस बयान को गलत बताया। परिणामस्वरूप अमर ने कार्यक्रम में सबके सामने श्रद्धा से माफी मांगी।

मलाइका अरोड़ा के खिलाफ फिर जमानती वारंट जारी

मलाइका अरोड़ा के खिलाफ मुंबई की एक अदालत ने फिर जारी किया जमानती वारंट अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा एक पुराने कानूनी मामले को लेकर फिर चर्चा में हैं। मुंबई की एक अदालत ने उनके खिलाफ दोबारा जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला अभिनेता सैफ अली खान से जुड़ा हुआ है। यह घटना साल 2012 की है, जब सैफ पर एक (एनआरआई) बिजनेसमैन के साथ मारपीट करने का आरोप लगा था। घटना के समय मलाइका सैफ के करीबी दोस्तों में से एक के तौर पर उनके साथ मौजूद थीं। हालांकि, कोर्ट की ओर से गवाह के तौर पर समन भेजे जाने के बावजूद मलाइका अब तक अदालत में पेश नहीं हुईं। लगातार अनुपस्थित रहने के चलते कोर्ट ने उनके खिलाफ यह जमानती वारंट जारी किया है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि मलाइका अदालत में कब पेश होती हैं और यह मामला किस दिशा में आगे बढ़ता है। अभिनेता सैफ अली खान 22 फरवरी, 2012 को अपनी पत्नी करीना कपूर, करिश्मा कपूर, मलाइका अरोड़ा, अमृता अरोड़ा और कुछ अन्य दोस्तों के साथ मुंबई के एक फाइव स्टार होटल में डिनर के लिए पहुंचे थे। डिनर के दौरान वहां मौजूद बिजनेसमैन इकबाल मीर शर्मा ने सैफ और उनके दोस्तों की तेज आवाज और शोर-शराबे पर आपत्ति जताई। इसी बात को लेकर सैफ और इकबाल के बीच कहासुनी हो गई, जो बाद में झगड़े में बदल गई। आरोप है कि सैफ ने न सिर्फ इकबाल को धमकी दी, बल्कि उनके साथ मारपीट भी की थी। इसी मामले में मलाइका एक अहम गवाह हैं, जो उस वक्त मौके पर मौजूद थीं। इकबाल मीर शर्मा ने यह भी आरोप लगाया था कि झगड़े के दौरान सैफ अली खान और उनके दोस्तों ने न केवल उनके साथ मारपीट की, बल्कि उनके ससुर रमन पटेल को भी पीटा था। दूसरी ओर, सैफ ने अपनी सफाई में कहा था कि विवाद की शुरुआत तब हुई जब इकबाल ने उनके साथ मौजूद महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां कीं, जिसके बाद माहौल बिगड़ा और झगड़ा हुआ। अब इस मामले की अगली सुनवाई 29 अप्रैल, 2025 को निर्धारित की गई है। इस सुनवाई में मलाइका अरोड़ा को गवाह के तौर पर पेश होना है और उनके बयान दर्ज किए जाएंगे। अदालत पहले भी उन्हें समन भेज चुकी है, लेकिन हाजिर न होने पर उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी किया गया था। अब देखना होगा कि आगामी सुनवाई में वह अदालत के सामने पेश होती हैं या नहीं।

मैडॉक फिल्म्स की पार्टी में नजर आईं नाओमिका सरन

राजेश खन्ना को बॉलीवुड का पहला सुपरस्टार कहा जाता है। वह आज भी अपने जबरदस्त चार्म और सुपरहिट फिल्मों के लिए याद किए जाते हैं। 60 और 70 के दशक में उन्होंने जिस तरह का स्टारडम देखा, वो शायद ही किसी और अभिनेता को मिला हो। राजेश खन्ना को इंडस्ट्री और फैंस प्यार से 'काका' कहते थे। उनके चाहने वाले उन्हें आज भी उतनी ही मोहब्बत से याद करते हैं, लेकिन उनकी अगली पीढ़ी आज भी बॉलीवुड में सक्रिय है। राजेश खन्ना की पत्नी डिंपल कपाड़िया पिछले कुछ सालों में बॉलीवुड फिल्मों में विभिन्न भूमिकाएं निभाती नजर आई हैं। इसी तरह राजेश खन्ना की पोती एक बॉलीवुड कार्यक्रम में नजर आईं। राजेश खन्ना की पोती ने अपनी दादी डिंपल कपाड़िया के साथ मिलकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। राजेश खन्ना की भतीजी का नाम नाओमिका सरन है। नाओमिका हाल ही अपनी दादी डिंपल कपाड़िया के साथ मैडॉक फिल्म्स की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुईं। नाओमिका ने अपनी दादी के साथ इस कार्यक्रम में सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। कई लोगों ने नाओमिका के विनम्र स्वभाव और उसकी सुंदरता की प्रशंसा की। कई लोगों ने नाओमिका को भविष्य की सफल अभिनेत्री कहा है। डिंपल कपाड़िया की दो बेटियां हैं, ट्विंकल और रिंकी। नाओमिका रिंकी की बेटी है। रिंकी राजेश खन्ना और डिंपल की छोटी बेटी हैं। रिंकी ने 2003 में समीर सरन से शादी की। समीर और रिंकी की 2004 में नाओमिका नाम की एक बेटी हुई। नाओमिका की शिक्षा की बात करें तो उन्होंने अपनी पढ़ाई लंदन में पूरी की। नाओमिका ने अपनी की पढ़ाई पूरी करने के बाद सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट कीं। उस समय दादी डिंपल कपाड़िया अपनी पोती की शैक्षणिक प्रगति देखकर बहुत भावुक हो गईं। नाओमिका ने अपने साधारण लेकिन आकर्षक लुक से कार्यक्रम में सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया।

होम्योपैथी इलाज से मिलता है फायदा

होम्योपैथी का इलाज भले ही थोड़ा लम्बा चलता है, लेकिन यह जड़ से समस्या को दूर करता है। साथ ही इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता, इसलिए अधिकतर लोग होम्योपैथी इलाज को प्राथमिकता देते हैं। हालांकि इन दवाइयों को लेने व स्टोर करने का एक तरीका होता है। होम्योपैथी दवाइयों को तीन साल या उससे भी अधिक समय के लिए स्टोर किया जा सकता है। इनकी मेडिकल स्टेंथ खत्म नहीं होती, बस जरूरत होती है कि आप इन्हें सही तरह से लें और स्टोर करें। तो चलिए आज हम आपको होम्योपैथी दवाइयों को लेने के सही तरीके के बारे में बता रहे हैं...

ऐसे लें होम्योपैथी दवाई

होम्योपैथी दवाई लेते समय आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। कभी भी दवाई को हाथों में न लें, बल्कि उसे सीधे ही मुंह में लें। होम्योपैथिक गोलियां लेने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप उन्हें जीभ के नीचे रखें या चूसें। कभी भी इन्हें पूरी तरह से न निगलें। जब आप दवाई लें तो उससे बीस मिनट या आधा घंटा पहले तक या बाद में कुछ भी खानेद्दपीने या ब्रश करने से बचें। इससे आपकी दवाई का असर काफी कम हो जाता है। खासतौर से कॉफी को तो आप दवा लेने के कम से कम 45 मिनट पहले तक न पीएं।

जब दें बच्चों को दवाई

कुछ बच्चे इन दवाइयों का सेवन नहीं करते या फिर मुंह में लेकर थूक देते हैं। ऐसे में आप एक साफ व सूखी चम्मच के उपर दवाई रखकर उसे क्रश करें और फिर बच्चे को दें। कभी भी खाने के साथ दवाई खाने को न दें।

इस तरह से करें स्टोर

दवाई लेने का तरीका जानने के बाद यह जरूरी है कि आप इसे स्टोर करने के बारे में भी जान लें। इन दवाइयों को आप कभी भी ऐसी जगह पर न रखें, जहां पर सूरज का प्रकाश आता हो। इसके अतिरिक्त ऐसी जगह पर भी रखने से बचें, जहां पर तेज गंध जैसे परफ्यूम आदि का इस्तेमाल किया जाता हो। वैसे होम्योपैथी दवाइयों को फ्रिजर में रखने की भी जरूरत नहीं होती। कोशिश करें कि आप इसे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जैसे माइक्रोवेव ओवन, इलेक्टानिक गैजेट्स या कंप्यूटर आदि से दूर रखें। साथ ही दवा की बोतल को कभी भी खुला न छोड़ें।

ऐनेस्थियोलॉजिस्ट बनकर बनायें बेहतर भविष्य

आप भी अगर मेडिकल क्षेत्र में भविष्य बनाना चाहते हैं तो बतौर ऐनेस्थियोलॉजिस्ट ऐसा कर सकते हैंद्द

ऑपरेशन थियेटर में मरीज का इलाज करने के लिए डॉक्टर की एक बड़ी टीम मौजूद होती है। लेकिन डॉक्टर्स की यह टीम तब तक अपना काम शुरू नहीं कर सकती, जब तक ऐनेस्थियोलॉजिस्ट वहां पर मौजूद न हो। ऐनेस्थियोलॉजिस्ट के काम की शुरूआत तो ऑपरेशन से पहले ही शुरू हो जाती है। दरअसल, एक ऐनेस्थियोलॉजिस्ट मरीज को सही तरह से एनेस्थीसिया देता है ताकि बिना किसी दर्द से मरीज का इलाज हो सके। यह काम देखने में भले ही आसान लगे, लेकिन वास्तव में यह काफी कठिन होता है। एक छोटी सी चूक से मरीज के अंग प्रभावित हो सकते हैं और यही कारण है कि अलग से ऐनेस्थियोलॉजिस्ट की जरूरत पड़ती है।

क्या होता है काम

एक ऐनेस्थियोलॉजिस्ट का मुख्य काम मरीज को एनेस्थीसिया यानी बेहोश करने वाली दवाई ठीक तरह से देना होता है। उसे इस बात का ध्यान रखना होता है कि मरीज को एनेस्थीसिया देते समय उसे किसी तरह का दर्द न हो, साथ ही वह ऑपरेशन की पूरी प्रक्रिया भी बिना दर्द के पूरी कर ले और उस दौरान उसके सभी अंग ठीक तरह से काम करे। इतना ही नहीं, एक ऐनेस्थियोलॉजिस्ट सर्जरी से पहले, उस दौरान व बाद में मरीज की ब्रीदिंग, हार्टरेट आदि की मॉनिटरिंग भी करता है।

क्या स्किल्स हैं जरूरी

चूंकि एक ऐनेस्थियोलॉजिस्ट को टीम के साथ मिलकर काम करना होता है, इसलिए आपको बतौर टीमवर्क काम करना आना चाहिए। इसके अतिरिक्त आपको अपने कार्य की सटीक जानकारी होनी चाहिए। आपकी एक छोटी सी भूल मरीज के जीवन पर भी भारी पड़ सकती है।

लिक्विड लिपस्टिक लगाते समय न करें ये गलतियां

लिक्विड लिपस्टिक यकीनन होंठों पर एक अलग ही लुक देती है और हर लड़की इसे लगाना पसंद करती हैं। लेकिन लिक्विड लिपस्टिक लगाते समय हमेशा एक ही समस्या होती है कि इसे लगाते समय हमेशा कुछ न कुछ गड़बड़ हो जाती है और इसलिए आपको एक परफेक्ट लुक नहीं मिल पाता। तो चलिए आज हम आपको ऐसी कुछ गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिसे अमूमन लड़कियां लिक्विड लिपस्टिक लगाते समय करती हैं...

पहले करें एक्सफोलिएट

अक्सर लड़कियां सीधे ही लिक्विड लिपस्टिक अप्लाई कर देती हैं, लेकिन अगर आप लिप्स को एक्सफोलिएट किए बिना लिक्विड लिपस्टिक लगाती हैं तो इससे आपके होंठ फ्लेकी और रूखे नजर आते हैं। इसलिए हमेशा पहले लिप्स की डेड स्किन सेल्स को निकालने के लिए एक्सफोलिएट करें। लिप्स को एक्सफोलिएट करने के लिए पहले होंठों पर पेटोलियम जेली लगाएं और फिर बच्चों के टूथब्रश की मदद से होंठों को हल्का सा रगड़ें। अंत में वाइप्स की मदद की होंठों को क्लीन करें।

करें लिप्स को तैयार

लिप्स को एक्सफोलिएट करने के बाद जरूरी है कि आप होंठों पर लिप बाम लगाएं। इससे आपकी लिक्विड लिपस्टिक को भी एक स्मूद टेक्सचर मिलता है। चूंकि लिक्विड लिपस्टिक आपके होंठों की नमी को सोख लेती है। इसलिए आप हमेशा हाई क्वालिटी के लिप बाम को लगाएं।

लिपलाइनर से मिलेगा

परफेक्ट लुक

अगर आप चाहती हैं कि आपको लिक्विड लिपस्टिक लगाने पर एक परफेक्ट लुक मिले तो आप हमेशा पहले लिपलाइनर का इस्तेमाल करें। आप अपनी लिपस्टिक से मैच करता हुआ लिपलाइनर से पहले होंठों की आउटलाइन बनाएं। इसके बाद ही लिपस्टिक अप्लाई करें। इतना ही नहीं, जब आप लिपस्टिक लगा रही हैं तो कोशिश करें कि आप लिपस्टिक ब्रश से ही उसे लगाएं। इससे लिपस्टिक होंठों पर एकसमान लगती है और इसका लुक भी काफी अच्छा आता है।

चुनें सही प्रॉडक्ट

यह नियम सिर्फ लिक्विड लिपस्टिक के लिए ही नहीं, बल्कि हर तरह के मेकअप प्रॉडक्ट के लिए लागू होता है। कभी भी सस्ते के चक्कर में हल्की क्वालिटी का सामान खरीदने की गलती न करें। अगर आप सस्ते के चक्कर में गलत लिक्विड लिपस्टिक खरीदती हैं तो इससे आपके होंठों को काफी नुकसान होता है। कई बार होंठ काले पड़ जाते हैं। यहां तक कि उनकी नेचुरल ब्यूटी भी खत्म हो जाती है। इसलिए कभी भी अपने स्किन केयर व मेकअप प्रॉडक्ट के साथ किसी तरह का समझौता न करें।

आज का राशिफल

मेष राशि :-मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

वृषभ राशि :- समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

मिथुन राशि :- आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। आलस्य का त्याग करें।

कर्क राशि :-यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी।

सिंह राशि :-आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योक्रमों का आयोजन होगा।

कन्या राशि :- विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा।

तुला राशि :- मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। आलस्य का त्याग करें।

वृश्चिक राशि :-लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

धनु राशि :- पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मकर राशि :-यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी।

कुम्भ राशि :- शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

मीन राशि :-मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें।

गेंदबाजी की खामियां दूर करने उतरेंगे गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स बुधवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में आमने-सामने होंगे तो उनकी निगाह गेंदबाजी की अपनी कमियां दूर करने पर होगी। टाइटंस के अभी छह अंक है और यहां जीत दर्ज करने से तालिका में उसकी स्थिति और मजबूत हो जाएगी।

रॉयल्स के चार अंक हैं और वह भी भविष्य में किसी तरह के अगर मगर की स्थिति से बचने के लिए यहां जीत हासिल करना चाहेगी। इन दोनों टीम के कुछ प्रमुख गेंदबाज अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और अगर इन टीमों को तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करनी है तो उनके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। गुजरात टाइटंस की तरफ से गेंदबाजी में अभी तक तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और स्पिनर आर साई किशोर ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए हैं। स्टार स्पिनर राशिद खान और अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा की खराब फॉर्म उसके लिए चिंता का विषय है। टी20 के माहिर खिलाड़ी राशिद ने चार मैचों में सिर्फ एक विकेट लिया है और प्रति ओवर 10 से ज्यादा रन दिए हैं। आईपीएल में यह पहला अवसर है जबकि अफगानिस्तान के इस खिलाड़ी की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने भी तीन मैचों में सिर्फ एक विकेट हासिल किया है, जबकि उन्होंने प्रति ओवर 12 रन लुटाए हैं। गुजरात के पास कोई विकल्प भी नहीं हैं क्योंकि अरशद खान या फजलहक फारूकी जैसे तेज गेंदबाज वास्तव में प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। उनका सामना अब राजस्थान के दमदार बल्लेबाजों से होगा जिसमें संजू सैमसन, ध्रुव जुरेल, रियान पराग और नितीश राणा जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। इन सभी ने 150 से अधिक की स्ट्राइक-रेट से रन बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भी पंजाब किंग्स के खिलाफ 67 रन बनाकर फॉर्म में वापसी के संकेत दे दिए हैं।

गुजरात की तरह राजस्थान की भी सबसे बड़ी चिंता गेंदबाजी है। उसकी तरफ से संदीप शर्मा को छोड़कर कोई भी अन्य गेंदबाज अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए और टीम को उनसे आगे भी इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद होगी। अहमदाबाद में अभी तक बल्लेबाजों की तूती बोली है। इस मैदान पर खेली गई चार पूर्ण पारियों में अभी तक 243, 232, 196 और 160 रन बने हैं। गुजरात की बल्लेबाजी भी काफी मजबूत है जिसमें कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर, शेरफेन रदरफोर्ड और बी साई सुदर्शन जैसे धाकड़ बल्लेबाज शामिल हैं। वाशिंगटन सुंदर ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 49 रन बनाकर गुजरात की बल्लेबाजी की गहराई का अच्छा नमूना पेश किया था।

इस प्रकार हैं दोनों टीम

- **गुजरात टाइटंस:** बी साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), शाहरुख खान, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, अनुज रावत, महिपाल लोमरोर, अरशद खान, जयंत यादव, निशांत सिंधु, कुलवंत खेजरोलिया, गेराल्ड कोएत्जी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, गुरनूर बराड़, करीम जनत।
- **राजस्थान रॉयल्स:** संजू सैमसन (कप्तान), रियान पराग, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, कुणाल राठौड़, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, युद्धवीर सिंह, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय सिंह, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, क्वेना मफाका, अशोक शर्मा, संदीप शर्मा।

मैच शाम 7:30 पर शुरू होगा

विल पुकोव्स्की ने 27 की उम्र में क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज विल पुकोव्स्की ने महज 27 साल की उम्र में क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। बार-बार सिर में चोट (कंकशन) लगने के कारण उन्हें यह कठिन निर्णय लेना पड़ा। पुकोव्स्की ने मेलबर्न के एक रेडियो शो में अपने रिटायरमेंट की घोषणा की और इसे अपने जीवन की सबसे बड़ी निराशा बताया। विल पुकोव्स्की ने साल 2021 में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था और उन्हें ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में लंबे समय तक ओपनिंग करने वाले बल्लेबाज के रूप में देखा जा रहा था।

लेकिन कंकशन की लगातार समस्याओं ने उनके करियर को समय से पहले ही खत्म कर दिया। उनका आखिरी मैच मार्च 2024 में तस्मानिया के खिलाफ शैफील्ड शील्ड में था, जहां राइली मेरेडिथ की बाउंसर से उन्हें गंभीर चोट लगी थी। पिछले साल एक स्वतंत्र मेडिकल पैनल ने पुकोव्स्की के करियर और भविष्य को देखते हुए उन्हें संन्यास की सिफारिश की थी। बताया गया कि पुकोव्स्की अब तक मिड-टीन्स कंकशन का शिकार हो चुके हैं। यह सिलसिला उनके किशोरावस्था में ऑस्ट्रेलियन रूल्स फुटबॉल खेलते वक्त शुरू हुआ था। हालांकि उन्होंने तुरंत संन्यास का फैसला नहीं लिया, और एक साल तक इलाज, बीमा और करियर विकल्पों पर विचार करते रहे। पुकोव्स्की ने कहा कि 2023-24 सीजन में मुझे लगा कि मैं फिर से ट्रैक पर लौट रहा हूँ। न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ शतक लगाने के बाद भरोसा था कि सब कुछ पटरी पर है। मेरा सपना था ऑस्ट्रेलिया के लिए लंबे समय तक खेलना और 100 टेस्ट खेलना, लेकिन दुर्भाग्य से मेरा सफर एक टेस्ट तक ही सिमट गया।

उन्होंने बताया कि आखिरी कंकशन के बाद वे सामान्य जीवन जीने में भी संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने कहा कि घर में चलना भी मुश्किल हो गया था, मैं बहुत सोता था और कामों में मदद नहीं कर पाता था। यह मेरी जिंदगी का सबसे कठिन साल रहा। पुकोव्स्की ने कहा कि जब आप एक साल से ज्यादा समय तक लक्षणों से जूझ रहे हों, तो फिर खेल में लौटने की उम्मीद खत्म हो जाती है। मैं अपने सपने को जितना संभव हो, थामे रखना चाहता था, लेकिन अब मुझे अपनी सेहत को प्राथमिकता देनी है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने सीमित ओवरों के प्रारूप से इस्तीफा दिया

वेलिंगटन। गैरी स्टीड ने मंगलवार को पुष्टि की कि वह अब टी20 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों में न्यूजीलैंड के कोच नहीं रहेंगे और टेस्ट क्रिकेट में अपने भविष्य पर विचार कर रहे हैं। स्टीड ने कहा कि उन्हें अंतिम निर्णय तक पहुंचने में एक महीने का समय लग सकता है।

53 वर्षीय स्टीड ने 2018 में माइक हेसन की जगह पद संभाला था और वह सभी प्रारूपों में न्यूजीलैंड के कोच थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि वह अगले सप्ताह कोच पद के लिए विज्ञापन जारी करेगा लेकिन उसने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह अलग-अलग प्रारूपों के लिए अलग-अलग कोच नियुक्त करेगा या नहीं। स्टीड के कोच रहते हुए न्यूजीलैंड ने 2019 में आईसीसी विश्व कप, 2022 में टी20 विश्व कप और इस साल की चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने न्यूजीलैंड को शुरुआती विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में जीत भी दिलाई थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के शीर्ष अधिकारी ब्रायन स्ट्रोनच ने एक बयान में कहा कि गैरी का रिकॉर्ड शानदार रहा है और हमें उन्हें अपने फैसले पर विचार करने के लिए कुछ समय देने में कोई परेशानी नहीं है। अभी हमारे पास कोच पद के लिए कोई मजबूत प्राथमिकता नहीं है। न्यूजीलैंड ने हाल ही में घरेलू टी20 श्रृंखला में पाकिस्तान पर 4-1 से और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 3-0 से जीत हासिल की। उसकी यह जीत इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसके कई प्रमुख खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग में भाग लेने के कारण इन श्रृंखलाओं में नहीं खेले थे।

स्टीड ने कहा कि पिछले कुछ महीने काफी व्यस्त रहे और मैं अब अपने भविष्य को लेकर विचार करूंगा। मैं अब अपने विकल्पों का मूल्यांकन करना चाहता हूं लेकिन मुझे अब भी लगता है कि मेरे अंदर कोचिंग बची हुई है, भले ही सभी प्रारूपों में मुख्य कोच के रूप में नहीं।

RCB के कप्तान पाटीदार पर धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना

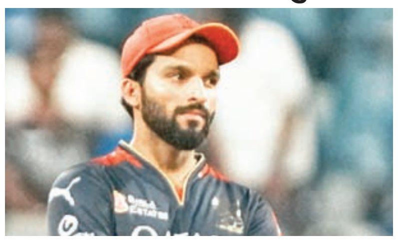

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार पर यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान धीमी ओवर गति के कारण 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आरसीबी ने सोमवार को खेला गया यह मैच 12 रन से जीता था। पाटीदार ने 32 गेंद पर 64 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आईपीएल की मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है क्थ आईपीएल की आचार संहिता के धीमी ओवर गति से संबंधित अनुच्छेद 2.2 के तहत यह उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था और इसलिए पाटीदार पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आरसीबी की टीम अभी छह अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर है। उसका अगला मैच 10 अप्रैल को बेंगलुरु में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होगा।

श्रीलंका में वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला में भारत की कमान संभालेगी हरमनप्रीत

नई दिल्ली। स्टार बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर जनवरी में आयरलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए आराम दिए जाने के बाद इस महीने के अंत में श्रीलंका में शुरू होने वाली एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला में भारत की महिला टीम की कमान संभालेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने 27 अप्रैल से 11 मई तक होने वाले टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन किया है जिसमे स्मृति मंधाना को उप कप्तान नियुक्त किया गया है।

भारत और श्रीलंका के अलावा इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली तीसरी टीम दक्षिण अफ्रीका की है। डबल राउंड रोबिन आधार पर होने वाले इस टूर्नामेंट में भारत अपना पहला मैच 27 अप्रैल को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा। प्रत्येक टीम चार-चार मैच खेलेगी तथा शीर्ष पर रहने वाली जो टीमें फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी जो 11 मई को खेला जाएगा। सभी मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने विज्ञप्ति में कहा कि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर और टिटास साधु चोटिल है और इसलिए उनके चयन पर विचार नहीं किया गया। टीम में काशवी गौतम, श्री चरणी और शुचि उपाध्याय भी शामिल हैं। इन तीनों ने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। हरमनप्रीत को आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला (10-15 जनवरी) के लिए आराम दिया गया था, जिसे भारत ने 3-0 से जीता था। मंधाना ने उस समय टीम का नेतृत्व किया था और दीप्ति शर्मा ने उप कप्तान की भूमिका निभाई थीं। दिसंबर 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के दौरान हरमनप्रीत के घुटने में चोट लग गई थी। इससे पहले इस 35 वर्षीय खिलाड़ी को अक्टूबर 2024 में महिला टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान गर्दन में चोट लग गई थी। हरमनप्रीत ने हालांकि पिछले महीने महिला प्रीमियर लीग में सफल वापसी की थी।

मुंबई इंडियंस ने उनकी अगुवाई में खिताब जीता था। तेज गेंदबाज रेणुका को भी आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में विश्राम दिया गया था। वह दिसंबर 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में तीन मैचों में 10 विकेट लेकर श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही थी। वह पिछले कुछ समय से पीठ दर्द से परेशान रही है।

इस प्रकार है भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, काशवी गौतम, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, तेजल हसब्निस, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय।

जमशेदपुर एफसी की डिफेंस को भेदकर मोहन बागान ने किया फाइनल प्रवेश

कोलकाता। लीग शील्ड विजेता मोहन बागान सुपर जायंट की टीम इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के फाइनल में पहुंच गई है, जहां उनका मुकाबला 12 अप्रैल को अपने घरेलू मैदान पर बेंगलुरू एफसी से होगा। मोहन बागान सुपर जायंट ने सोमवार देर रात विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले गए आईएसएल 2024-25 के दूसरे सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में जमशेदपुर एफसी को 2-0 से हराया और 3-2 के कुल गोल अंतर के जरिये लगातार तीसरे खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। मेजबान टीम की जीत में ऑस्ट्रेलियाई फॉरवर्ड जैसन कमिंग्स ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक के जरिये और मिडफील्डर अपुया ने 90+4वें मिनट में इस सीजन का अपना पहला गोल किया। अपुया को निर्णायक गोल करने और मिडफील्ड में भरपूर मेहनत करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

घरेलू मैदान पर मोहन बागान सुपर जायंट की शानदार जीत से स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना निश्चित रूप से प्रसन्न होंगे, क्योंकि उनकी टीम लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुई है। वहीं, रेड माइनर्स की संघर्षपूर्ण हार से मुख्य कोच खालिद जमील जरूर निराश होंगे, क्योंकि इस सीजन में उनकी टीम का सफर समाप्त हो गया। हालांकि खालिद जमील के रेड माइनर्स ने अपने घर पर डबल-लेग सेमीफाइनल का पहला मुकाबला 2-1 से जीता था। मैच का पहला गोल 51वें मिनट में पेनल्टी किक के जरिये आया, जब ऑस्ट्रेलियाई फॉरवर्ड जैसन कमिंग्स ने मोहन बागान सुपर जायंट को बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 (कुल गोल अंतर 2-2) कर दिया। एमबीएसजी को पेनल्टी किक के रूप में यह सुनहरा मौका 50वें मिनट में मिला, जब बायीं तरफ से मिली कॉर्नर किक पर जैसन कमिंग्स ने क्रॉस डालकर गेंद को बॉक्स के अंदर पहुंचा, लेकिन गेंद स्कॉटिश सेंटर-बैक टॉम एल्ड्रेड के हैडर के बाद जमशेदपुर एफसी के सेंटर-बैक प्रणय हल्दर के हाथ में जा लगी और रैफरी तेजस नागवेंकर ने लंबी सीटी बजाकर पेनल्टी किक का इशारा कर दिया। इसके बाद कमिंग्स ने करारा लेफ्ट फुटर शॉट लगाकर गेंद को बॉटम राइट कॉर्नर के अंदर पहुंचा दिया जबकि जमशेदपुर एफसी के गोलकीपर एल्बिनो गोमेज गलत अनुमान के साथ विपरीत दिशा की तरफ डाइव लगा बैठे।

पांच मिनट के स्टॉपेज टाइम के दौरान 90+4वें मिनट में मिडफील्डर अपुया ने इस सीजन का अपना पहला गोल करके मोहन बागान सुपर जायंट की बढ़त को दोगुना करते हुए स्कोर 2-0 (कुल गोल अंतर 3-2) कर दिया। मिडफील्डर अनिरुद्ध थापा बॉक्स के बायीं तरफ से गेंद को माइनस करके सेंटर किया, जहां मौजूद अपुया ने लगभग 25 गज की दूरी से करारा राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को टॉप राइट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में उलझा दिया जबकि जमशेदपुर एफसी के गोलकीपर एल्बिनो गोमेज अपने बायीं तरफ डाइव लगाकर भी बचाव नहीं कर पाए। पहला हाफ गोलरहित बराबरी पर रहा, क्योंकि दोनों ही टीमें गतिरोध तोड़कर बढ़त बनाने में नाकाम रहीं। लिहाजा, दोनों टीमें 0-0 की बराबरी के साथ हाफ टाइम ब्रेक पर गईं। गेंद पर ज्यादा नियंत्रण मोहन बागान सुपर जायंट का 77 फीसदी रहा। एमबीएसजी ने 17 प्रयास भी किए, जिनमें से सात शॉट टारगेट पर रखे लेकिन पूरे हाफ के दौरान दबदबा बनाए रखने के बावजूद गोल नहीं कर पाए। वहीं, गेंद पर 23 फीसदी कब्जा रखने वाली जमशेदपुर एफसी की ओर से चार प्रयास किए गए, जिनमें से एक शॉट टारगेट पर रहा, लेकिन गोल नहीं आया।

हालांकि मिडफील्डर सौरभ दास ने गोल-लाइन सेव करके अपनी टीम को पिछड़ने से बचाया और उनके अलावा गोलकीपर एल्बिनो गोमेज ने कुछ अच्छे बचाव करके शतक (बचाव का) पूरा किया। इस दौरान मेजबान टीम बेहद आक्रामक रणनीति के साथ खेली, जिस कारण ज्यादातर खेल विपक्षी हाफ और बॉक्स के अंदर व आस-पास ही हुआ, जिसे रेड माइनर्स लगातार डिफेंस करते हुए दबाव झेलते रहे और अपने ऊपर गोल नहीं होने दिया।

महीने के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर के पुरस्कार की दौड़ में श्रेयस अय्यर

दुबई। चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र और जैकब डफी के साथ मार्च महीने के आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट के पुरस्कार के लिये नामांकन मिला है । चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत की खिताबी जीत के सूत्रधारों में रहे अय्यर ने पांच मैचों में दो अर्धशतकों के साथ 243 रन बनाये थे । आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि दाहिने हाथ के बल्लेबाज ने मार्च ने तीन वनडे में 57.33 की औसत से 172 रन बनाये और टूर्नामेंट में भारत के लिये सर्वाधिक रन भी बनाये । इसमें कहा गया कि भारत के अपराजेय अभियान में अय्यर का योगदान अहम रहा । उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप ए के मैच में 79 रन बनाये और आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 45 रन की पारी खेली ।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज़ के लिए ज़िम्बाब्वे टीम में सीन विलियम्स और क्रेग एर्विन की वापसी

नई दिल्ली। ज़िम्बाब्वे ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ के लिए सोमवार को अपनी टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ी सीन विलियम्स और कप्तान क्रेग एर्विन की वापसी हुई है। दोनों खिलाड़ी फरवरी में आयरलैंड के खिलाफ खेले गए पिछले टेस्ट मुकाबले से बाहर रहे थे।

विलियम्स पीठ की चोट के कारण नहीं खेल पाए थे, जबकि एर्विन व्यक्तिगत कारणों से अंतिम समय पर हट गए थे। ज़िम्बाब्वे ने टीम में तीन बदलाव किए हैं।विकेटकीपर-बल्लेबाज़ तफाद्ज़वा त्सिगा की दो साल बाद टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अपना डेब्यू वेस्टइंडीज़ के खिलाफ किया था। उन्हें जॉयलॉर्ड गुम्बी की जगह शामिल किया गया है। वेलिंगटन मसाकाड्ज़ा की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अब तक तीन टेस्ट खेले हैं और आखिरी बार वेस्टइंडीज़ दौरे पर नजर आए थे। उन्हें न्यूमैन न्यामहुरी की जगह टीम में लिया गया है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज़ तकुजवानाशे काइटानो को इस सीरीज़ के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। उनकी जगह वेस्ली मदेवेरे को स्क्वॉड में बरकरार रखा गया है। गौरतलब है कि एर्विन की अनुपस्थिति में मदेवेरे को आयरलैंड टेस्ट में आखिरी वक्त पर टीम में शामिल किया गया था। ज़िम्बाब्वे और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ क्रमशः सिलहट (20-24 अप्रैल) और चटगांव (28 अप्रैल-2 मई) में खेली जाएगी। यह ज़िम्बाब्वे का बांग्लादेश दौरे पर पहला टेस्ट सीरीज़ होगा, पिछली बार दोनों टीमों के बीच फरवरी 2020 में ढाका में एकमात्र टेस्ट खेला गया था, जिसे बांग्लादेश ने पारी और 106 रन से जीता था।

ज़िम्बाब्वे टेस्ट स्क्वॉड

क्रेग एर्विन (कप्तान), ब्रायन बेनेट, जोनाथन कैंपबेल, बेन कर्रन, ट्रेवर ग्वांडू, वेस्ली मदेवेरे, वेलिंगटन मसाकाड्ज़ा, विंसेंट मसेकेसा, न्याशा मायावो, ब्लेसिंग मुज़ाराबानी, रिचर्ड एंगरावा, विक्टर न्याउची, तफाद्ज़वा त्सिगा, निकोलस वेल्च, सीन विलियम्स।

हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों की देखभाल के लिए तैनात किया अतिरिक्त सपोर्ट स्टाफ

नई दिल्ली। खिलाड़ियों की सेहत और फिटनेस को प्राथमिकता देते हुए हॉकी इंडिया ने 15वीं सीनियर पुरुष हॉकी नेशनल चैंपियनशिप 2025 के लिए अतिरिक्त सपोर्ट स्टाफ उत्तर प्रदेश के झांसी में भेजा है।

इसमें एक फिजियोथेरेपिस्ट और एक मसाज थैरेपिस्ट शामिल हैं, जो राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के दौरान तुरंत मेडिकल सहायता और रिकवरी सपोर्ट प्रदान कर रहे हैं। इस बार की सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में कुल 31 भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनमें हार्दिक सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक, अभिषेक, अमित रोहिदास, सुमित, गुरजंत सिंह और संजय जैसे दिग्गज नाम हैं। हॉकी इंडिया का यह कदम इसलिए भी अहम है, क्योंकि अधिकतर राज्य टीमों के पास अपने फिजियो या मेडिकल स्टाफ नहीं होते, जबकि राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी प्रोफेशनल सेटअप के आदी होते हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह हॉकी इंडिया की तरफ से एक बेहद जरूरी और सकारात्मक पहल है। इससे खिलाड़ियों को चोट से बचाने और बेहतर परफॉर्मेंस देने में मदद मिलेगी। खासकर एफआईएच प्रो लीग जैसे अहम टूर्नामेंट से पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि खिलाड़ी फिट और तैयार रहें। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों की सेहत सबसे अहम है। जब इतने बड़े स्तर पर राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी सीनियर नेशनल्स में खेल रहे हों, तो हमें उन्हें वह मेडिकल और रिकवरी सुविधाएं देनी चाहिए जिसके वे हकदार हैं।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने बताया कि यह फैसला पिछले साल ही ले लिया गया था, ताकि खिलाड़ियों की देखभाल में निरंतरता बनी रहे। सीनियर नेशनल्स हमारे डोमेस्टिक कैलेंडर का अहम हिस्सा हैं और इसमें राष्ट्रीय टीम के कई खिलाड़ी भाग लेते हैं। फिजियो और मसाज थैरेपिस्ट की तैनाती खिलाड़ियों को फिट बनाए रखने और दीर्घकालिक चोटों से बचाने में मदद करेगी।

15वीं सीनियर पुरुष हॉकी नेशनल चैंपियनशिप 4 अप्रैल से 15 अप्रैल तक झांसी के प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में आयोजित की जा रही है। इस बार टूर्नामेंट उसी नए डिवीजन आधारित फॉर्मेट में हो रहा है, जैसा मार्च में महिला सीनियर नेशनल्स में लागू किया गया था। इसके लिए कुल 30 टीमों को तीन डिवीज़न ए, बी, सी में बांटा गया है, जिससे टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा और रोमांच दोनों चरम पर हैं। साथ ही प्रमोशन और रेलिगेशन सिस्टम ने इसे और अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

सेंडा विश्व कप में भारतीय वुशु खिलाड़ियों का अच्छा प्रदर्शन

जियांगयिन (चीन)। भारतीय वुशु खिलाड़ी मुकेश चौधरी ने 75 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता जबकि पांच अन्य खिलाड़ी यहां 10वें सेंडा विश्व कप के फाइनल में पहुंच गए। भारत के अभियान का अब तक का मुख्य आकर्षण चौधरी रहे हैं जिन्होंने फाइनल में अपने फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी पर प्रभावशाली जीत दर्ज करके 75 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। कुशाल ने 48 किग्रा वर्ग में यमन के अपने प्रतिद्वंद्वी को हराकर फाइनल में जगह बनाकर भारत की जीत का सिलसिला जारी रखा। रवि पांचाल ने 65 किग्रा वर्ग में कजाखस्तान के प्रतिद्वंद्वी को हराकर फाइनल में जगह बनाई जबकि 52 किग्रा वर्ग में अनुज कुमार और 85 किग्रा वर्ग में रजत चरक भी स्वर्ण पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे। महिला खिलाड़ियों में 48 किग्रा वर्ग में छवि ने अपनी पुर्तगाल की प्रतिद्वंद्वी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

अतिरिक्त 50% शुल्क की ट्रंप की धमकी के बाद चीन ने 'जवाबी कदम' उठाने की योजना बनाई

बीजिंग। चीनी उत्पादों के आयात पर अतिरिक्त 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के बाद चीन ने 'अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़तापूर्वक जवाबी कदम उठाने' की योजना बनाई है।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी बयान में कहा गया कि अमेरिका द्वारा चीन पर 'तथाकथित जवाबी शुल्क' लगाए जाने का कदम 'पूरी तरह से निराधार है और यह एकतरफा धमकाने का चलन है।' चीन ने जवाबी शुल्क लगाया है तथा मंत्रालय ने संकेत दिया कि और भी शुल्क लगाए जा सकते हैं। मंत्रालय ने कहा कि चीन द्वारा उठाए गए जवाबी कदमों का उद्देश्य अपनी संप्रभुता, सुरक्षा एवं विकास संबंधी हितों की रक्षा करना और सामान्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था को बनाए रखना है। ये कदम पूरी तरह से वैध हैं।

उसने कहा कि चीन पर शुल्क बढ़ाने की अमेरिकी धमकी एक बड़ी गलती है और यह अमेरिका की 'ब्लैकमेल' करने की प्रकृति को एक बार फिर उजागर करती है। चीन इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। यदि अमेरिका अपना यह तरीका अपनाने पर अड़ा रहा तो चीन अंत तक लड़ेगा। चीन ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है जब ट्रंप द्वारा चीन पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की सोमवार को धमकी दिए जाने के बाद से यह चिंता बढ़ गई है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को पुनर्संतुलित करने का उनका प्रयास आर्थिक रूप से विनाशकारी व्यापार युद्ध के खतरे को और बढ़ा सकता है। इससे पहले, ट्रंप ने चीन की तरफ से लगाए गए जवाबी सीमा शुल्क को वापस न लेने की स्थिति में उस पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की सोमवार को धमकी दी थी।

ट्रंप ने चीन द्वारा पिछले सप्ताह घोषित अमेरिकी शुल्क के जवाब में कार्रवाई की बात कहे जाने के बाद यह धमकी दी थी। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रूथ सोशल' पर लिखा कि अगर चीन आठ अप्रैल 2025 तक अपने पहले से ही दीर्घकालिक व्यापार दुरुपयोगों से ऊपर 34 प्रतिशत की वृद्धि को वापस नहीं लेता है तो हम चीन पर 50 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाएंगे जो नौ अप्रैल से प्रभावी हो जाएगा। इसके साथ ही ट्रंप ने अमेरिका के साथ बैठकों के अनुरोध पर चीन के साथ आयोजित सभी वार्ताएं भी समाप्त करने की धमकी दी। ट्रंप ने दो अप्रैल को चीन एवं भारत समेत करीब 60 देशों पर अतिरिक्त सीमा शुल्क लगाने की घोषणा की थी। चीन के उत्पादों पर अमेरिका ने 34 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है।

इस पर पलटवार करते हुए चीन ने भी अमेरिकी आयात पर 34 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा कर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति का मानना है कि वैश्विक व्यापार को संतुलित करने और घरेलू विनिर्माण के पुनर्निर्माण के लिए उच्च शुल्क आवश्यक हैं।

ट्रंप ने ईरान, शुल्क और गाजा युद्ध विराम वार्ता पर नेतन्याहू के साथ बातचीत की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वाशिंगटन में मुलाकात कर ईरान, शुल्क और गाजा में युद्ध विराम संबंधी वार्ता को लेकर बातचीत की। नेतन्याहू ट्रंप द्वारा दुनिया भर के देशों पर शुल्क लगाए जाने के बाद उनसे मिलने जाने वाले पहले विदेशी नेता हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नेतन्याहू की यात्रा इजराइल पर लगाए गए शुल्क को कम करने या समाप्त करने में सफल होगी या नहीं, लेकिन यह यात्रा किस प्रकार आगे बढ़ती है, उससे इस बात का आधार तैयार हो सकता है कि दुनिया के बाकी नेता शुल्क के मुद्दे से कैसे निपटेंगे।

अमेरिका ईरान के साथ सीधी बातचीत करेगा, तेहरान को परमाणु हथियार नहीं मिल सकते: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका देश ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर उससे सीधी बातचीत करेगा लेकिन उन्होंने साथ ही चेतावनी भी दी कि यदि यह वार्ता सफल नहीं हुई तो ईरान 'बड़े खतरे' में पड़ जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा कि वार्ता शनिवार से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि तेहरान परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता। ट्रंप ने कहा कि हम उनसे सीधे बात कर रहे हैं और शायद कोई समझौता हो जाए। यह पूछे जाने पर कि अगर उनके वार्ताकार ईरान के साथ समझौता नहीं कर पाते हैं तो क्या वह उसके खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे, ट्रंप ने कहा कि मुझे यह कहना पसंद नहीं लेकिन (वार्ता असफल रहने पर) ईरान बहुत खतरे में पड़ने वाला है। ट्रंप ने कहा कि अगर वार्ता सफल नहीं होती है तो मुझे लगता है कि यह ईरान के लिए बहुत बुरा होगा। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रशासन द्वारा ईरान के साथ किए गए ऐतिहासिक परमाणु समझौते से ट्रंप ने राष्ट्रपति के तौर पर अपने पहले कार्यकाल में अमेरिका को अलग कर लिया था।

हुर्रियत से तीन और संगठन हुए अलग

शाह ने बताया संविधान में विश्वास का प्रतीक

श्रीनगर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अलगाववादी संगठन हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से और तीन दल जम्मू कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी, जम्मू-कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग और कश्मीर फ्रीडम फ्रंट हुर्रियत से अलग हो गए हैं। उनका यह कदम संविधान में लोगों के भरोसे को दर्शाता है।

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया के एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में कहा कि जम्मू कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी, जम्मू-कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग और कश्मीर फ्रीडम फ्रंट जैसे तीन और संगठनों ने हुर्रियत से खुद को अलग कर लिया है। यह घाटी के लोगों के भारत के संविधान में भरोसे का एक प्रमुख प्रदर्शन है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एकजुट और शक्तिशाली भारत का सपना आज और भी मजबूत हुआ है क्योंकि अब तक 11 ऐसे संगठनों ने अलगाववाद को त्याग चुके हैं और देश को मजबूत करने के लिए अटूट समर्थन की घोषणा की है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिवसीय जम्मू-कश्मीर की यात्रा पर हैं। सोमवार को शाह ने भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक अग्रिम चौकी का दौरा किया।

संक्षिप्त खबरें

फिलीपीन ज्वालामुखी से आसमान में राख का गुबार उठा, स्कूल बंद किए गए

मनीला। फिलीपीन के एक मध्य द्वीप में मंगलवार को ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद उसकी राख चार किलोमीटर तक आसमान में फैल गई जिसके कारण चार गांवों में स्कूल बंद कराने पड़े। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। फिलीपीन के ज्वालामुखी एवं भूकंप निगरानी संस्थान ने बताया कि नेग्रोस द्वीप में ज्वालामुखी माउंट कनलाओन में सुबह हुए विस्फोट में किसी के हताहत होने या किसी भी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। उसने बताया कि ज्वालामुखी के दक्षिण-पश्चिम में कम से कम चार गांवों तक इसकी राख फैल गई। नागरिक सुरक्षा कार्यालय ने बताया कि कनलाओन में आखिरी बार विस्फोट दिसंबर में हुआ था जिसके बाद हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा गया था और ज्वालामुखी में फिर से विस्फोट की आशंका को देखते हुए इनमें से कई लोग अब भी आश्रय स्थलों में रह रहे हैं।

दक्षिण कोरिया में नए राष्ट्रपति के लिए चुनाव तीन जून को होंगे

सियोल। दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक नेता हान डक-सू ने मंगलवार को घोषणा की कि यून सुक येओल को राष्ट्रपति पद से हटाए जाने के बाद इस पद के लिए चुनाव तीन जून को होंगे। यह घोषणा संवैधानिक न्यायालय द्वारा राष्ट्रपति यून सुक येओल को दिसंबर में 'मार्शल लॉ' लागू करने के मामले में पद से हटाए जाने के कुछ दिनों बाद की गई है। तीन जून के चुनाव में मुख्य मुकाबला दो प्रमुख राजनीतिक दलों यून की पीपुल्स पावर पार्टी और इसकी प्रमुख प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच देखने को मिल सकता है। अब लोगों की नजर इस बात पर है कि क्या रूढ़िवादी फिर से एकजुट होकर संभावित डेमोक्रेटिक उम्मीदवार ली जे-म्यांग के खिलाफ मुकाबले के लिए एक मजबूत उम्मीदवार उतार सकते हैं।

दक्षिण ब्राजील में कार दुर्घटना में 4 की मौत

साओ पाउलो। दक्षिण ब्राजील के पराना राज्य में एक वाहन और स्कूल बस के बीच टक्कर होने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई, जिसमें एक नाबालिग भी शामिल है और चार अन्य घायल हो गए। स्थानीय अग्निशमन विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह दुर्घटना कैम्बारा नगरपालिका में संघीय राजमार्ग पर हुई, जिसमें कार में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक 7 वर्षीय बच्चा भी शामिल है।

कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर, टोरंटो में की आध्यात्मिक यात्रा

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने श्रीराम जन्मोत्सव एवं श्री स्वामीनारायण जयंती के पावन पर्व पर बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर, टोरंटो का दिव्य और भक्ति-भावनाओं से परिपूर्ण दर्शन किया।

यह शुभ अवसर भगवान श्रीराम और भगवान श्री स्वामीनारायण की पवित्र जयंती का संयुक्त उत्सव था। प्रधानमंत्री का स्वागत वैदिक परंपरा के अनुसार नाड़ा-छड़ी (पवित्र सूत्र) बांधकर तथा पुष्पमालाओं से किया गया। वरिष्ठ बीएपीएस संतों ने उन्हें मंदिर की आध्यात्मिक गरिमा से परिचित कराया। प्रधानमंत्री ने नीलकंठवर्णी महाराज का अभिषेक कर देश-विदेश में शांति, सद्भावना और समृद्धि की मंगलकामना की। मंदिर की भव्यता, कलात्मक पत्थर की नक्काशी और आध्यात्मिक वातावरण से प्रधानमंत्री अभिभूत हो गए। उन्होंने श्रद्धा से आरती में भाग लिया और श्रीहरि को फूल व फल अर्पित किए।

इस दिव्य यात्रा की विशेष झलक तब देखने को मिली जब उन्हें परम पूज्य महंत स्वामी महाराज द्वारा रचित 'सत्संग दीक्षा' ग्रंथ की बहुभाषी विशेष प्रति भेंट की गई। भारत से भेजे गए पूज्य महंत स्वामी महाराज के आशीर्वाद-पत्र को प्रधानमंत्री की उपस्थिति में पढ़ा गया। इस संदेश में स्वामी श्री ने प्रधानमंत्री के सत्प्रेरणादायक नेतृत्व, कनाडा की समृद्धि एवं संपूर्ण मानवता के कल्याण हेतु मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

इस अवसर पर भाव-विभोर होकर प्रधानमंत्री ने अतिथि-पुस्तिका में लिखा कि आपकी प्रार्थनाओं और प्रेमपूर्ण सत्कार के प्रति मैं अपनी गहन कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। मैं पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता से यह संकल्प करता हूँ कि कनाडा, भारत और समस्त विश्व में शांति, एकता, सौहार्द और समृद्धि को प्रोत्साहित करता रहूंगा। प्रधानमंत्री कार्नी ने बीएपीएस मंदिर के सामाजिक योगदानों की भूरि-भूरि प्रशंसा की, जिसमें समाज सेवा, अंतरधार्मिक सद्भाव, सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण तथा युवा पीढ़ी के निर्माण में मंदिर की प्रेरणादायी भूमिका शामिल है। उन्होंने मंदिर को कनाडा की राष्ट्रीय एकता, स्वयंसेवा और शांति का प्रकाशस्तंभ बताया।

सेना प्रमुख पहुंचे एलओसी, सुरक्षा स्थिति और ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लिया

सशस्त्र बलों के बीच एकजुटता और आधुनिक युद्ध की तैयारियों पर जोर दिया

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सुरक्षा स्थिति और परिचालन तत्परता की समीक्षा करने के लिए मंगलवार को श्रीनगर का दौरा करके चिनार कोर कमांडर से ताजा हालात की जानकारी ली। उन्होंने मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों और उच्च परिचालन मानकों को बनाए रखने पर चर्चा की। इससे पहले जनरल द्विवेदी ने वेलिंगटन के डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज में सशस्त्र बलों के बीच एकजुटता और आधुनिक युद्ध की तैयारियों पर जोर दिया।

भारतीय सेना के मुताबिक थल सेनाध्यक्ष जनरल द्विवेदी ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति और बलों की परिचालन तत्परता का आकलन करने के लिए श्रीनगर का दौरा किया और वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य पर व्यापक मुद्दों पर चर्चा की। जनरल द्विवेदी को चिनार कॉर्प्स कमांडर ने क्षेत्र के नवीनतम घटनाक्रम और परिचालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सेना प्रमुख ने फॉर्मेशन कमांडर के साथ भी मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों और समग्र सुरक्षा परिदृश्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। जनरल उपेंद्र द्विवेदी का यह दौरा सेना के उच्च परिचालन मानकों को बनाए रखने के लिए चल रहे उन प्रयासों का हिस्सा है, जिसमें सेना किसी भी सुरक्षा खतरे से निपटने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है। भारतीय सेना जम्मू और कश्मीर में विकसित सुरक्षा गतिशीलता के प्रति सतर्क है और नेतृत्व शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए नियमित रूप से परिचालन इकाइयों के साथ जुड़ रहा है।

एक सप्ताह पहले सीओएएस जनरल द्विवेदी ने युद्ध की बदलती प्रकृति के बीच सशस्त्र बलों के बीच संयुक्तता और एकीकरण की आवश्यकता को रेखांकित किया था।

सेना प्रमुख ने वेलिंगटन स्थित रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) में 80वें स्टाफ कोर्स कर रहे भारतीय सशस्त्र बलों के छात्र अधिकारियों और स्थायी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए युद्ध की बदलती प्रकृति, भारत के सामने मौजूद रणनीतिक चुनौतियों और सशस्त्र बलों के बीच एकजुटता और तालमेल की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सेना प्रमुख ने अधिकारियों से उभरते सुरक्षा खतरों के प्रति अपने दृष्टिकोण में सक्रिय रहने का आग्रह किया।

जनरल द्विवेदी को डीएसएससी के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने स्टाफ कोर्स पाठ्यक्रम को भविष्य के युद्धों की चुनौतियों के अनुरूप ढालने के बारे में जानकारी दी, जिसमें तीनों सेनाओं के 40 अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

कांग्रेस अधिवेशन में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा

अहमदाबाद। कांग्रेस में बड़े बदलाव की उम्मीद से आयोजित कांग्रेस का दो दिन चलने वाला गुजरात अधिवेशन मंगलवार को यहां शाहीबाग, सरदार पटेल स्मारक में शुरू हो गया, जिसमें पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की विस्तारित बैठक में कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई।

कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी के तमाम बड़े नेता यहां सरदार पटेल स्मारक हॉल के सामने बने विशाल पंडाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चुनौतियों से निपटने और कांग्रेस को मजबूती प्रदान करने के मुद्दे पर विचार-विमर्श हुई। पार्टी के बेलगांव सम्मेलन के बाद उसके प्रस्तावों को इस अधिवेशन के जरिए आगे बढ़ाने की नीति पर विचार होगा। कांग्रेस 2025 को पार्टी में सुधार लाने के लिए काम कर रही है और इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इस सम्मेलन के दौरान पार्टी के जिला स्तर पर संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर काम किया जाएगा।

अधिवेशन से पहले पार्टी ने दिल्ली में कांग्रेस जिला अध्यक्षों का 3 दिन का सम्मेलन बुलाया था, जिसमें देश के विभिन्न जिलों के 800 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कांग्रेस ने इसके तहत जिला स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने के एजेंडे को प्राथमिकता दी। जिला अध्यक्षों की बैठकों के एजेंडे को इस अधिवेशन में आगे बढ़ाने की रणनीति पर विचार किए जाने की उम्मीद है।

गाजा में इज़रायली हमलों में 25 फ़िलिस्तीनी मारे गए

गाजा। गाजा पट्टी में इज़रायली हमलों में कम से कम 25 फ़िलिस्तीनी मारे गए। गाजा में नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने कहा कि दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में नासिर मेडिकल कॉम्प्लेक्स के पास एक प्रेस टेंट को निशाना बनाकर किए गए इज़रायली हवाई हमले में एक पत्रकार सहित दो फ़िलिस्तीनी मारे गए और नौ अन्य पत्रकार घायल हो गए।

बसल के अनुसार घायलों में पत्रकार हसन असलिह भी शामिल हैं जिनकी हालत गंभीर है। पहले के एक प्रेस बयान में इज़रायली सेना ने असलिह की पहचान हमास के एक सदस्य के रूप में की जिसने खुद को पत्रकार के रूप में पेश किया। असलिह पर सात अक्टूबर, 2023 के हमले में भाग लेने और सोशल मीडिया पर हमले की फुटेज प्रसारित करने का आरोप लगाया। हमास ने जवाब में एक बयान में हमले की निंदा करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य 'मीडिया को चुप कराना और गाजा में जमीनी हकीकत को छिपाना' है। इस बीच फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने हमले की निंदा करते हुए इसे 'फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ एक व्यापक युद्ध' और 'नागरिकों के खिलाफ चल रहे अपराधों और उल्लंघनों' के दस्तावेजीकरण को रोकने का प्रयास बताया।

अमेरिका ने खाद्य सहायता कार्यक्रम में वित्तीय मदद बंद की

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने अफगानिस्तान, सीरिया, यमन और 11 अन्य गरीब देशों में लाखों लोगों के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम को वित्तीय सहायता देना बंद कर दिया है, जबकि इनमें से कई देश संघर्ष का सामना कर रहे हैं। संगठन और अधिकारियों ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को यह जानकारी दी।

विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका से इस फैसले को वापस लेने की अपील की। दो अमेरिकी अधिकारियों और एसोसिएटेड प्रेस के पास मौजूद दस्तावेजों के अनुसार इस सहायता को बंद कर 'यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट' द्वारा संचालित कुछ बचे मानवीय कार्यक्रमों को भी बंद किया जा रहा है। डब्ल्यूएफपी ने 'एक्स' पर कहा कि यह कटौती अत्यधिक भूख और भुखमरी का सामना कर रहे लाखों लोगों के लिए मौत की सजा के बराबर हो सकती है। एजेंसी ने कहा कि उसने इस तरह के कार्यक्रमों के 'लगातार समर्थन का आग्रह करने के लिए' ट्रंप प्रशासन से बात की है और पहले के योगदान के लिए अमेरिका और अन्य मददगारों को धन्यवाद दिया। हालांकि, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने संकल्प लिया था कि वे अमेरिका की तरफ से खाद्य सहायता कार्यक्रमों और इसी तरह के अन्य कार्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता में कटौती नहीं होने देंगे। इस मामले पर विदेश विभाग की ओर से सोमवार को तत्काल कोई बयान नहीं दिया गया है।

अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की उलटी गिनती हुई शुरू

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर के प्रतिष्ठित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 75 दिन की उलटी गिनती की औपचारिक शुरुआत हुई। न्यूयॉर्क स्थित भारत के वाणिज्य दूतावास ने 'योग दिवस में 75 दिन शेष' नामक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम 21 जून को दुनिया भर में मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों का हिस्सा है।

मैनहट्टन और न्यू जर्सी के विहंगम दृश्यों के बीच यह योग सत्र 1,776 फुट ऊंची वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 102वीं मंजिल पर स्थित 'वन वर्ल्ड ऑब्जर्वेटरी' में संपन्न हुआ। भारत के वाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह लगभग एक घंटे का योग सत्र अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की 75 दिनों की उलटी गिनती के उत्सव का प्रतीक है। 'आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन' की प्रतिष्ठित योग प्रशिक्षक रुचिका लाल ने इस विशेष सत्र का नेतृत्व किया जिसमें उप वाणिज्य दूत विशाल हर्ष, भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य, छात्र और योग प्रेमी शामिल हुए। भारत के वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 102वीं मंजिल से बिनय प्रधान ने आत्मिक योग सत्र के साथ उलटी गिनती की शुरुआत की। पोस्ट में कहा गया कि इस सत्र में योगासन, श्वसन क्रिया और आत्म-जागरूकता की तकनीकें शामिल रहीं। इस अवसर ने भारतीय प्रवासी समुदाय और भारत के मित्रों को स्वास्थ्य, सद्भाव और समग्र जीवन शैली अपनाने के लिए एकजुट किया। रुचिका लाल ने कहा कि जिस स्थान ने इतिहास की सबसे भयावह आतंकी घटना देखी, वह आज योग के माध्यम से लोगों को जोड़ रहा है। उन्होंने योग सत्र को 'अद्भुत' बताते हुए कहा कि 'दुनिया की सबसे ऊंची इमारत से योग करना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की उलटी गिनती की सबसे अच्छी शुरुआत है।'

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में अमेरिका में टाइम्स स्क्वायर, संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय और अन्य प्रतिष्ठित स्थलों पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह कार्यक्रम जून में योग दिवस के भव्य समारोह के साथ संपन्न होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2023 में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के 'नॉर्थ लॉन' में ऐतिहासिक योग दिवस समारोह का नेतृत्व किया था। यह आयोजन उस ऐतिहासिक क्षण के नौ वर्ष बाद हुआ जब उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में 21 जून को योग दिवस के वार्षिक आयोजन के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा था।

तीन सदस्यीय अमेरिकी-रूसी दल अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन रवाना

मॉस्को। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का एक तथा रूस के दो अंतरिक्ष यात्री एक रूसी अंतरिक्ष यान पर सवार होकर मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन रवाना हुए। 'सोयुज बूस्टर' रॉकेट ने कजाकिस्तान स्थित बैकोनूर प्रक्षेपण केंद्र से तय समय पर उड़ान भरी, ताकि नासा के जॉनी किम और रूस के सर्गेई रिझिकोव एवं एलेक्सी जुब्रित्स्की को ले जाने वाले 'सोयुज एमएस-27' को कक्षा में स्थापित किया जा सके।

ये तीनों यात्री अंतरिक्ष स्टेशन में करीब आठ महीने बिताएंगे। नासा ने कहा कि किम भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए चालक दल को तैयार करने और पृथ्वी पर लोगों को लाभ पहुंचाने में मददगार वैज्ञानिक अन्वेषण करेंगे एवं प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करेंगे। लॉस एंजिलिस के मूल निवासी किम अमेरिकी नौसेना के लेफ्टिनेंट कमांडर हैं।

नासा के अंतरिक्ष यात्री डॉन पेटिट, ऐनी मैकक्लेन एवं निकोल एयर्स, 'जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी' के अंतरिक्ष यात्री ताकुया ओनिशी और रूसी अंतरिक्ष यात्री एलेक्सी ओविचिनिन, इवान वैगनर एवं किरिल पेसकोव पहले से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में मौजूद हैं।

TUITION TIGER

learn smart

ADMISSION OPEN

Premium Live Batches

Inaugural Offer

For First 100 students - 75% Off

For Next 100 students - 50% Off

For Next 100 students - 25% Off

---

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309 **9220 90 5919**

TUITION TIGER

learn smart

Dear Teachers, associate with Tuition Tiger

Get Your **Referral Code** Today

mycode@tuitiontiger.com

922 09 05 910

www.TuitionTiger.com

81304 81309 9220 90 5919